केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 48 सोमवार 9 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

भेड़ियों जैसे झुंड़ को लेकर दहशतः वन विभाग सक्रिय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र के मेढौवा डिहवा में शनिवार रात भेड़ियों जैसे झुंड सड़क पर दिखने से इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना डायल 112 सहित वन विभाग की टीम को दी। सूचना पर वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन घनी झाड़ी के चलते वापस लौट गई। भेड़िया जैसे दिखने वाले झुंड का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। रविवार की सुबह भी वन विभाग की टीम फिर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से खोजबीन में जुटी है। वन विभाग के राजू प्रसाद ने बताया कि सूचना पर सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

आउटसोर्स नियुक्ति मामले की जांच शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आउटसोर्स के माध्यम से सीएमओ के अधीन तैनात किए गए 120 चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के मामले में जांच शुरू हो गई है। डीएम ने शिकायत के बाद दो सदस्यीय जांच टीम नामित किया है। इस प्रकरण में सीडीओ और सीटीओ जांच कर रिपोर्ट देंगे। भाजपा नेता विजय कुमार द्विवेदी ने सीएम को पत्र भेजकर कहा है कि सीएमओ बस्ती के अधीन मनमाने ढंग से अनियमित तरीके से आउटसोर्स के माध्यम से चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की तैनाती की गई है। इसमें वित्त नियंत्रक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने 27 जुलाई को पत्र भेजकर जांच कर आख्या उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया।

चोरी की बाइक के साथ दो गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष महेश सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर शनिवार को पुलिस टीम ने चौनपुरवा ओवरब्रिज के पास से दो संदिग्धों को पकड़ा। उनके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की गई। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही तलाशी में 1800 रुपये नकदी मिला है। दोनों के खिलाफ पुरानी बस्ती थाने में चोरी समेत अन्य धाराओं में चार आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि शनिवार को शिवम साहू उर्फ प्रिंस साहू निवासी संजय कालोनी थाना पुरानी और सचिन आर्या निवासी मरवटिया थाना पुरानी को गिरफ्तार किया। छानबीन में उनके कब्जे से मिली बाइक चोरी की निकली। बाइक चोरी के संबंध में पुरानी बस्ती थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

हिन्दी दिवस पर आयोजन 14 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रेस क्लब सभागार में हिन्दी दिवस यानी 14 सितम्बर को दिन में 11.00 बजे कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर गोष्ठी में वक्ता अपने विचार साझा करेंगे जिससे हिन्दी और समृद्ध होगी। यह जानकारी देते हुये प्रेस क्लब के महामंत्री महेन्द्र तिवारी ने सभी पत्रकार साथियों से कार्यक्रम में पुहचकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया है। उन्होने कहा हम हिन्दी भाषी क्षेत्र के रहने वाले हैं और हिन्दी समाचार माध्यमों में वर्षों से कार्यरत हैं। ऐसे में हमारा दायित्व है कि समय समय पर हिन्दी को समृद्ध बनाने हेतु प्रयासरत रहें। इसी कड़ी में प्रेस क्लब में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

बजरंग पूनिया को मिली जान से मारने की धमकी, विदेशी नंबर से आया संदेश

नई दिल्ली (आभा)। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ज्वाइन करने वाले ओलंपियन पहलवान बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी मिली है। पहलवान बजरंग पूनिया को वॉट्सऐप पर जान से मारने की धमकी दी गई है। एक विदेशी फोन नंबर से आए मैसेज में उन्हें कहा गया है कि बजरंग कांग्रेस छोड़ दो, वरना तेरे और तेरे परिवार के लिए अच्छा नहीं होगा, ये हमारा आखिरी संदेश है। चुनाव से पहले हम दिखा देंगे हम क्या चीज हैं। जहां शिकायत करनी है कर ले, ये हमारी आखिरी और पहली चेतावनी है। धमकी मिलने के बाद पहलवान बजरंग पूनिया ने सोनीपत के बहालगढ़ थाने में ध्मामला दर्ज करवाया है। पुलिस विदेशी नंबर को ट्रेस करने की कोशिश कर रही है। इसमें साइबर क्राइम एक्सपर्ट की भी मदद ली जा रही है।

दो दिन पहले पहलवान बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट ने कांग्रेस ज्वाइन की थी। कांग्रेस ने बजरंग को कांग्रेस किसान मोर्चा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। बजरंग पूनिया ने कांग्रेस में शामिल होने से पहले रेलवे से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस ज्वाइन करने के बाद उन्होंने भाजपा पर हमला बोला था। बजरंग ने कहा था कि हम कांग्रेस और देश को मजूबत करेंगे। पहलवानों के संघर्ष में भाजपा हमारे साथ खड़ी नहीं हुई और कांग्रेस में आने पर हमारी आलोचना हो रही है।

पिछले साल भारतीय कुश्ती महासंघ पूर्व के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना देने वाले पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया उन पहलवानों में शामिल थे, जिन्होंने बृजभूषण पर कई जूनियर महिला पहलवानों के यौन शोषण का आरोप लगाते हुए पिछले साल धरना दिया था। इस घटना के बाद से ही भाजपा के प्रति उनमें नाराजगी देखी जा रही थी। पहलवान विनेश फोगाट को जुलाना से कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार बनाया है। बजरंग पूनिया ने कल कहा कि अब पीएम नरेंद्र मोदी से कोई उम्मीद नहीं है। हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा। लेकिन राज्यसभा भेजे जाने पर कहा कि ये पार्टी को तय करना है।

नृत्य धाम में गणपति बप्पा का डांडिया, धुनुची से स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद में श्री गणेश उत्सव की धूम है। स्थान स्थान पर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विघ्नहर्ता गणेश जी की भक्तगण पूचन अर्चन कर रहे हैं। इसी कड़ी में शास्त्रीय नृत्य के कलाकारों ने गणेश चतुर्थी के उत्सव पर कल्चरल क्वेस्ट नृत्यधाम डांस अकादमी अस्पताल रोड़ पर गणपति बप्पा का डाडिया और धुनुची से स्वागत करने के साथ ही वैदिक मंत्रोच्चारण मोदक एवं लड्डू से हुई गणपति बप्पा की स्थापना कर विधि विधान से पूजन अर्चन कर लोकमंगल की कामना किया। कथक गुरु मास्टर शिव ने विघ्नहर्ता गणेश जी की पूजा के बाद कहा कि सनातन परंपरा में मंगलमूर्ति भगवान श्री गणेश की पूजा सभी वित्न बाधाओं को दूर करके जीवन को शुभ और मंगलमय बनाने वाली मानी गई है. सभी संकटों को हरने और रिद्धि सिद्धि का वरदान प्रदान करने वाले गणपति का पूजन करने पर साधक को सभी कार्यों में शीघ्र ही सफलता प्राप्त होती है। इस अवसर पर आशि, शालिनी कमलेश आंशिका, अपर्णा गिरि, त्यास वर्मा, तनिष्क, आशि, अजय श्रीवास्तव आदित्य, नीलन श्रीवास्तव, रामा मिश्रा, हाता चौधरी नदिनी वर्मा ज्योति सिंहः आदि गणेश भक्तों के रूप में अभिभावक उपस्थित रहे।

पेड़ वाले बाबा ने जूनियर हुक्कुल मकसूद को भेंट किया स्नेक कैचर स्टिक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सामाजिक कार्यकर्ता पेड़ वाले बाबा के नाम से मशहूर गौहर अली से रविवार को सैनिया निकट चिलमा बाजार पहुंच कर स्वर्गीय हुकुल के पुत्र मकसूद उर्फ जूनियर हुक्कुल के घर पहुंच कर उन्हें स्नेक कैचर स्टिक और सेफ्टी शूज भेंट किया। गौहर अली ने बताया कि स्नेक कैचर स्टिक और सेफ्टी शूज से मकसूद उर्फ जूनियर हुकुल सावधानी पूर्वक सांपों को पकड़ कर रेस्क्यू कर सकेंगे। मकसूद को 10 दिन पहले हाथ में सांप काट लिया था और वे जिला अस्पताल में भर्ती थे स्वस्थ होकर वापस घर आए और फिर जनता की सेवा में लग गए हैं। उनके पिता भी सांप पकड़ने का काम करते थे उनकी भी मृत्यु सांप के काटने से हुई थी।

गौहर अली ने बताया कि हर्रैया तहसील के अंतर्गत सांप पकड़ने के लिए जूनियर हुकुल 'मकसूद' से उनके मोबाइल नम्बर 9554109911 पर संपर्क कर सकते हैं। वे लगातार यह सेवा दे रहे हैं।

खेल शिक्षक, प्रशिक्षक सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ द्वारा खेल शिक्षक व प्रशिक्षकों को खेल के क्षेत्र में उनके बेहतर कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मिश्रौलिया स्थित एक होटल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की खेल सचिव संतोष यदुवंशी, आईआईटी दिल्ली के खेल कोच नीरज चौधरी, समाजसेवी सरोज मिश्र, भावेष पाण्डेय, पप्पू पाण्डेय, वरिष्ठ खेल शिक्षक चंद्रभूषण सिंह, कर्नल केसी मिश्र, माता प्रसाद त्रिपाठी और अमित यादव द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कर्नल केसी मिश्र ने कहा कि मैं भावेष द्वारा शुरू की गई पहल का शुरुआत से हिस्सा रहा हूँ, सरोज मिश्र ने कहा कि हम नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ की लगातार की जा रही सकारात्मक पहलों के प्रशंसक हैं। संगठन के अध्यक्ष भावेष पाण्डेय ने कहा कि इसे सम्मान कार्यक्रम से आगे बढ़कर आभार कार्यक्रम के रूप में देखना चाहिए, संचालन विवेक मणि त्रिपाठी ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूम से रमेश कुमार चौरसिया, राकेश प्रताप सिंह, रवि प्रकाश पांडे, सूर्यभान उपाध्याय, कृष्णा विजय, कृष्ण कुमार पाठक, संजय कुमार, कमर खलील अंसारी, आशीष श्रीवास्तव, रामतल यादव, अशोक कुमार सिंह, धर्मेंद्र शुक्ला, दुर्गेश कुमार यादव, दीपमाला पांडे, आशुतोष कुमार मिश्रा, सुरेंद्र कुमार गोस्वामी, नीरज चौधरी, धर्मेंद्र, मुकेश कुमार श्रीवास्तव, अमित कुमार यादव, शैलेंद्र धर द्विवेदी, ज्ञान प्रताप उपाध्याय, गीता उपाध्याय, सुशील कुमार चौधरी, शैलेंद्र कुमार, विवेक कुमार श्रीवास्तव, विनोद कुमार यादव, सुनील कुमार विश्वकर्मा, अरुण कुमार, राकेश कुमार शर्मा, कृष्ण कुमार गौतम, नेहा पांडे, सुनील कुमार, अखिलेश कुमार सिंह, पंकज चौधरी, चंद्रभूषण सिंह, विनोद कुमार, विकास सोनकर, अमित अरशद, माता प्रसाद त्रिपाठी, प्रदीप कुमार त्रिपाठी, रामसागर गुप्ता, सुमन चौधरी, नवनीत पांडे, राम सिंह यादव, अंगद चौरसिया, स्वाति गौड़, हिना खातून, अस्मिता गुप्ता, अभिषेक चौधरी, रुद्र प्रताप सिंह, आशुतोष सिंह, शिवेंद्र त्रिपाठी, राहुल कुमार, रणदीप, अशोक कुमार त्रिपाठी, विनोद कुमार गुप्ता, राम सिंह, रणधीर सिंह, अमित तिवारी, रमेश चंद्र गुप्ता, वेद प्रकाश द्विवेदी, शिल्पी श्रीवास्तव, आशीष चौधरी आदि खेल शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

भाजपा आलाकमान की हिदायत : विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के खिलाफ न बोलें बृजभूषण शरण सिंह

नई दिल्ली (आभा)। भाजपा ने पार्टी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के खिलाफ बयान देने से बचने को कहा है। सूत्रों के हवाले से रविवार को यह जानकारी दी गई। बीजेपी आलाकमान की यह सलाह ऐसे समय आई है, जब भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख ने कांग्रेस में शामिल होने पर दोनों पहलवानों के खिलाफ सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि फोगाट और पुनिया ने कुश्ती में नाम कमाया और खेल से मशहूर हुए। अब कांग्रेस में शामिल होने के बाद उनका नामोनिशान मिट जाएगा। मालूम हो कि विनेश और बजरंग पुनिया उन पहलवानों में से थे, जो बृजभूषण सिंह के खिलाफ पिछले साल धरने पर बैठे थे। उन पर कई युवा पहलवानों के शोषण का आरोप लगाया था।

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, 'कांग्रेस ने डब्ल्यूएफआई पर नियंत्रण और भाजपा पर हमले की अपनी साजिश में पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को मोहरे के तौर पर इस्तेमाल किया।हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा, कांग्रेस और कांग्रेस परिवार ने उन्हें मोहरों की तरह इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, 'यह सब भारतीय कुश्ती महासंघ पर नियंत्रण पाने और भाजपा व उसकी विचारधारा पर हमला करने के लिए रची गई साजिश थी...राहुल की यह टीम, कांग्रेस इस तरह का काम करती रहती है।'

विनेश फोगाट और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पुनिया के साथ–साथ एक अन्य ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने आंदोलन का नेतृत्व किया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के कैसरगंज निर्वाचन क्षेत्र से 6 बार लोकसभा सदस्य रहे सिंह को पद से हटना पड़ा। वह अदालत में आपराधिक आरोपों का भी सामना कर रहे हैं। उनको पद से हटाए जाने के बाद उनके करीबी संजय सिंह को डब्ल्यूएफआई का प्रमुख चुना गया। इस संस्था को अभी तक खेल मंत्रालय से मान्यता नहीं मिली है, जबकि कुश्ती की विश्व नियामक संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने इसका समर्थन किया है। शुक्रवार को फोगाट और पूनिया ने कहा था कि वे बृजभूषण सिंह के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। फोगाट ने बयान दिया था कि किसी भी महिला को वह सब न सहना पड़े, जो उन्हें सहना पड़ा है। कांग्रेस ने फोगाट को हरियाणा विधानसभा की जुलाना सीट से चुनाव मैदान में उतारा है।

मंगेश यादव के मुठभेड़ में मौत पर गरमायी राजनीति

सुल्तानपुर (आभा)। तीन दिन पहले सुलतानपुर में हुए मंगेश यादव एनकाउंटर पर सियासत रुकने का नाम नहीं ले रही है। पुलिस की कार्रवाई पर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है तो इसके जवाब में सीएम योगी से लेकर उनके मंत्री तक पलटवार करते नजर आ रहे हैं। रविवार को योगी सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने भी मंगेश एनकाउंटर के सवाल पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर हमला बोला है। संजय निषाद ने ने सवाल किया कि 'उनसे पूछा जाना चाहिए 7 जून 2015 को मैं गोरखपुर में रेल आंदोलन कर रहा था। उस समय सपा की सरकार थी, गोली मारी गई उसमें मेरा एक भाई अखिलेश निषाद मारा था तो क्या निषाद के बेटे को मारने में पुलिस भक्षक नहीं थी।' उन्होंने कहा 302 का मुझे मुल्जिम बना दिया गया था। अगर मेरा समाज नहीं होता तो मैं जेल में सड़ रहा होता। जिसकी सरकारों में होता रहा है उसको लगता है ऐसा हो रहा है। इनके समय में जांच एजेंसियां संरक्षण प्राप्त थीं हमारे समय में जांच एजेंसियां सजा दिला रही हैं।

एसटीएफ के सीओ डीके शाही के चप्पल पहनकर एनकाउंटर पर उन्होंने कहा ये जिसने किया है उसी से पूछा जाए। मंत्री ने कहा उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। जनता से वादा किया था माफिया मुक्त–भय मुक्त जितने अपराधी शामिल रहेंगे अपराध में उन्हें उत्तर प्रदेश छोड़कर जाना पड़ेगा। उन्होंने ये भी कहा कि पहले अपराधी पुलिस को दौड़ाते थे, पिछली सरकारों में, हमारी सरकार में पुलिस अपराधियों को दौड़ा रही है। संजय निषाद ने कहा अगर अपराधी पुलिस को कुछ करेगा तो सुरक्षा में भी पुलिस कुछ करेगी।

मंत्री निषाद ने कहा अगर इनके समय की व्यवस्था सही हो जाती तो जनता इन्हे सत्ता से दूर क्यों करती। मंत्री ने कहा हमारी व्यवस्था सही है, जनता जनार्दन होती है, जनता जज होती है, जनता फैसला लेती है। जनता के हितो में हमारी सरकार फैसला ले रही है इसलिए सब सही है। विपक्ष के पास बयान बाजी के अलावा कुछ बचा नहीं है। विपक्ष को काम का जिक्र करना चाहिए जिससे जनता उनसे कुछ खुश होकर फिर से राजनीति में अवसर प्रदान करे। काम तो कुछ किया नहीं जनता ने हटा दिया।

गरीब छात्र, छात्राओं को शिक्षित करने में आर्थिक सहयोग करेगा बारी संघ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को अखिल भारतीय बारी संघ जिला अध्यक्ष राधेश्याम बारी की अध्यक्षता में अमहट घाट स्थित शिवमंदिर के निकट साक्षरता दिवस मनाया गया । निर्णय लिया गया कि यदि समाज का कोई बेटा, बेटी पढना चाहते हैं और गरीब हैं तो संघ उनका आर्थिक सहयोग करेगा।

संघ जिला अध्यक्ष राधेश्याम बारी ने बैठक में कहा कि आज का युग शैक्षिक युग हैं, शिक्षा एक ऐसी कुंजी है जो मानव जीवन की सफलता के अनेकों रास्तों को न केवल खोलती है बल्कि उनको सफल भी बनाती है । हर व्यक्ति का शिक्षित होना अत्यंत जरूरी है। विश्व साक्षरता दिवस को मानने का उद्देश्य समाज के लोगो को साक्षर बनाना और साक्षरता के प्रति जागरूक करना है।

युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रशांत बारी ने कहा कि युवा पीढ़ी पहले से कही ज्यादा जागरूक हो चुकी है , अति पिछड़ा क्षेत्रों में अभी भी कुछ लोग शिक्षा से वंचित है। ऐसे लोगों को चिन्हित कर जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें शिक्षा से जोड़ने की पहल संघ द्वारा की जायेगी। प्रयास होगा कि संघ से जुड़े लोग अपने–अपने क्षेत्रों में निःशुल्क यह जिम्मेदारी लेकर शिक्षा की अलख जगायें।

वरिष्ट सलाहकार प्रदीप बारी ने कहा कि आज भी कहीं ना कहीं लड़के लड़कियों में भेदभाव किया जाता है जो की बहुत ही निंदनीय है । युवा पीढ़ी की लड़कियां आज हर क्षेत्र में अपना एक अलग मुकाम हासिल कर रहीं हैं, ऐसे में लड़कियों को बेहतर शिक्षा देना जरूरी है। इससे वे आने वाले कल में समाज और अपने परिवार के लिये बहु उपयोगी सिद्ध होंगी। एक बेटी को शिक्षित करने का अर्थ है पूरे परिवार को सुसंस्कृत बना देना।

बारी समाज के जिला उपाध्यक्ष सरवन बारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चमन लाल बारी आदि ने कहा कि शिक्षा के बिना मानव जीवन पशु के समान है। हमें इसके महत्व को समझना होगा

बैठक में अखिल भारतीय बारी समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया कि समाज का कोई भी युवा वर्ग पैसे के अभाव में अपनी शिक्षा नहीं छोड़ेगा । ऐसी युवा जो आगे पढ़ना चाहते हैं परंतु उनकी आर्थिक स्थिति ठीक ना होने के कारण पढ़ने में असक्षम है उनके पढ़ाई संपूर्ण खर्च समाज द्वारा एकत्रित धन से किया जाएगा तथा ऐसे युवा को सरकारी लाभ के लिए सरकार से आग्रह भी किया जाएगा । जिससे की वह अपनी शिक्षा पूर्ण कर अपना जीवन यापन कर सके। बैठक में बारी समाज के पदाधिकारी महिला जिलाध्यक्ष लक्ष्मी नंदनी बारी, अमरावती बारी, अजय कुमार बारी, राजेश्वरी प्रसाद बारी, पंकज कुमार बारी, प्रदीप बारी, रितेश बारी , शिवकुमार बारी, आशुतोष बारी, आदि समाज के लोग उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया के दिन होगा परशुराम मंदिर का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को ब्राह्मण महासभा मालवीय मार्ग पर राष्ट्रीय प्रबंध कार्यकारिणी समिति,सक्रिय कार्यकर्ताओं का संयुक्त बैठक सम्पन्न हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष पं0अशोक कुमार शुक्ल ने कहा कि भगवान परशुराम जी का मन्दिर निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है, मन्दिर का ढांचा पूर्णतया तैयार है,अक्षय तृतीया 30 अप्रैल दिन बुधवार 2025 को भगवान परशुराम जी के मन्दिर के उद्घाटन का दिन समय सुनिश्चित किया गया है।श्री शुक्ल ने सभी सदस्यों, पदाधिकारियों, मार्गदर्शक मण्डल और संरक्षक मण्डल से अनुरोध किया कि मन्दिर निर्माण में आप सभी को समय देने की आवश्यकता है।

ब्राह्मण महासभा के संरक्षक पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ल ने कहा कि मन्दिर निर्माण की तिथि घोषित हो गई है सभी ब्राह्मण बन्धुओं से सहयोग की अपेक्षा है श्री शुक्ल ने सभी सदस्यों को उत्साहित करते हुए एक मिशन के रुप में समय से कार्य सम्पादित करने का अनुरोध किया।

महामंत्री शम्भू नाथ मिश्र जी ने कहा कि इस समय एक मात्र लक्ष्य मंडल मुख्यालय पर भव्य मंदिर का निर्माण हम सभी को तन मन धन से जुटने की आवश्यकता है। मन्दिर के उद्घाटन की तिथि सुनिश्चित होने के साथ साथ प्रत्येक गांव से लोगों को जोड़ा जा सके,श्री मिश्र ने कहा कि ब्राह्मण समाज के उत्थान से ही सम्पूर्ण समाज का उत्थान होगा। संयुक्त मंत्री विजय बिहारी तिवारी ने कहा कि इस समय गांव में सम्पर्क अभियान चल रहा है। गांव गांव जाकर सम्पर्क किया जा रहा है। संचालन संगठन मंत्री डा0 वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने किया।

बैठक में प्रमुख रूप से एस एन शुक्ल , अनिल चन्द्र त्रिपाठी, प्रसन्न नारायण दूबे, उदय शंकर शुक्ल, विनोद कुमार शुक्ल, अजय कुमार पाण्डेय,राधेश्याम पाण्डेय, राकेश कुमार उपाध्याय, इन्द्र जीत पाण्डेय, श्री केश पाण्डेय,प्रशान्त पाण्डेय , विद्या मणि शुक्ल, अशोक कुमार त्रिपाठी, बंशगोपाल मिश्र, अनुराग शुक्ल, दिलीप कुमार पाण्डेय,अवनीश शुक्ल,दीपक पाण्डेय, विवेक मिश्र, वृजमोहन शुक्ल, देवी दयाल पाण्डेय, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय, धीरेन्द्र कुमार लल्लू पाण्डेय,पी एन पाण्डेय, , गोपाल त्रिपाठी, राजेन्द्र शंकर द्विवेदी,ब्रह्म सेवक पाण्डेय, सत्यनारायण शुक्ल सत्ते,विवेक नारायण तुलसी,राजनाथ तिवारी, कृष्ण बिहारी तिवारी,आकाश पाण्डेय, दीपक पाण्डेय,राम बिहारी तिवारी सहित बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 9 सितम्बर 2024 सोमवार

सम्पादकीय

महिला कर्मियों की सुरक्षा के यक्ष प्रश्न

आज के जटिल सामाजिक—आर्थिक और राजनीतिक परिवेश में, लोग न्याय की अपेक्षा करते हैं और न्याय होते हुए भी दिखते हैं। यह निरूसंदेह एक आदर्श प्रस्ताव है। हालांकि, एक व्यक्ति का न्याय दूसरे व्यक्ति के लिए दुरूस्वप्न बन सकता है क्योंकि इसमें कई तरह के नियम और कानून उलझे हुए हैं। ऐसा मुख्य रूप से इसलिए है क्योंकि यह कोई सीधा—सादा घोटाला नहीं है। इसमें कई चक्र हैं और कई बार यह जानना मुश्किल हो जाता है कि घोटाले का कौन—सा चक्र किसके इशारे पर और किसके फायदे के लिए घूम रहा है।

हालांकि अलग—अलग उद्देश्यों और विभिन्न कारणों और डिजाइनों के लिए चक्र घूमता रहता है। इसमें कई खिलाड़ी हैं, जिनमें से प्रत्येक अपने—अपने एजेंडे या हित को आगे बढ़ा रहा है, या तो जांच प्रक्रिया में मदद करने के लिए या वास्तविक मुद्दों को भ्रमित करने के लिए। भले ही हम मामले को खुले दिमाग से, बिना किसी दुर्भावना या पूर्वाग्रह के देखने की पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन जांच पैटर्न में कई ऐसे पहलू हैं जो इस बात पर भरोसा नहीं दिलाते कि मुद्दों को कैसे संभाला गया है।

फिर भी, हमें निष्पक्षता के सिद्धांतों को पहचानने का एक तरीका खोजना होगा। इस संदर्भ में, प्रशासनिक और न्यायिक दोनों प्रणालियों को ऐसा होना चाहिए। कहीं न कहीं सही और गलत के बीच फर्क करने के लिए एक लक्ष्मण रेखा खींचनी होगी। सच को छिपाना मूर्खता है। महिलाओं को यौन दुराचार की शिकायत उच्चतम अधिकारियों से करने के लिए आगे आना होगा। केंद्र सरकार ने राज्यों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए पर्याप्त और प्रभावी उपाय करने को भी कहा है। यह केंद्र और राज्य सरकारों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बलात्कार के मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई है और नए बलात्कार विरोधी उपायों को तेजी से लागू किया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा ने हाल ही में 3 प्रमुख प्रावधानों के साथ एक सख्त बलात्कार विरोधी कानून पारित किया है। सबसे पहले, कानून में मृत्युदंड सहिता दंड की गंभीरता को बढ़ाया गया है, अगर हमले के कारण पीड़िता की मृत्यु हो जाती है या वह 'बेहोशी की हालत' में चली जाती है। दूसरा, कानून में यह अनिवार्य किया गया है कि प्रारंभिक रिपोर्ट के 21 दिनों के भीतर जांच पूरी हो जाए। तीसरा, यह बलात्कार के मामलों में अदालती कार्रवाई की रिपोध्टग को प्रतिबंधित करता है, मुख्य रूप से ऐसी स्थितियों को रोकने के लिए जो सरकार को शध्मदगी का कारण बन सकती है।

उदाहरण के लिए, 2 साल पहले, दिल्ली के होली फैमिली अस्पताल में एक नर्स ने सर्जरी के दौरान ऑपरेशन थिएटर तकनीशियन द्वारा यौन उत्पीडन किए जाने की सूचना दी थी। हालांकि आंतरिक शिकायत समिति (आई.सी.सी.) के होने के बावजूद, कई महिलाएं अभी भी लिखित शिकायत दर्ज करने से हिचकिचाती हैं। अस्पताल ने उसकी मौखिक शिकायत पर कार्रवाई की, लेकिन औपचारिक लिखित रिपोर्ट के बिना, बर्खास्तगी पत्र में तकनीशियन की बर्खास्तगी का कारण नहीं बताया गया। होली फैमिली अस्पताल ने सुरक्षित कार्यस्थल बनाने के लिए कई उपाय लागू किए हैं, जैसे लिंग—विशिष्ट आराम और चेंजिंग रूम, व्यापक सी.सी.टी.वी.कवरेज, नियमित सुरक्षा जांच और उत्पीडन की रिपोर्ट करने की स्पष्ट प्रक्रियाएं इत्यादि।

फैडरेशन ऑफ रैजीडैंट डाक्टर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव डा. मीत घोनिया ने कहा कि सरकारी और निजी अस्पतालों में आई.सी.सी. अक्सर औपचारिकता मात्र होती है। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ डाक्टर इन समितियों के बारे में जानते होंगे, लेकिन नर्सिंग और हाऊसकीपिंग की भूमिकाओं में महिलाओं को आमतौर पर उचित अभिविन्यास कार्यक्रमों की कमी के कारण नहीं पता होता है। वास्तविक अमल की कमी कई महिला कर्मचारियों को उत्पीडन और दुर्व्यवहार के बढ़ते जोखिम के लिए उजागर करती है।

अस्पताल व्यापक सुरक्षा उपायों को अपनाकर और खुलेपन और समर्थन की संस्कृति विकसित करके सभी महिला कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। सार्वजनिक अस्पतालों में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नीतियों को लागू करना और ऐसी संस्कृति बनाना शामिल है, जहां महिलाएं प्रतिशोध के डर के बिना घटनाओं की रिपोर्ट करने में सक्षम महसूस करें। स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं को प्रतीकात्मक इशारों से आगे बढ़कर लिंग—विशिष्ट सुविधाओं, प्रभावी निगरानी, नियमित स्टाफ प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों जैसे ठोस उपायों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस मोर्चे पर प्रगति धीमी रही है। अस्पतालों को सभी कर्मचारियों के लिए सुरक्षित बनाने और हिंसा को बढ़ावा देने वाले सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने के लिए त्वरित, निर्णायक उपायों की आवश्यकता है। केंद्र और राज्य सरकारों और अस्पताल प्रशासन दोनों को इसे एक तत्काल प्राथमिकता के रूप में लेना चाहिए, जिससे सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा एक मौलिक अधिकार बन जाए, न कि एक विशेषाधिकार।

यूपी में जड़ों को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस

—अजय कुमार—

कांग्रेस उत्तर प्रदेश में पिछले साढ़े तीन दशकों से सत्ता से बाहर है, लेकिन हाल के लोकसभा चुनाव में 99 सीटों पर जीत दर्ज करने के बाद पार्टी के आत्मविश्वास में जबरदस्त इजाफा हुआ है। इस नई ऊर्जा को देखते हुए कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के संगठन में बड़े पैमाने पर बदलाव करने का निर्णय लिया है। पार्टी अब उन जिला और शहर अध्यक्षों को हटाने की योजना बना रही है, जो सक्रियता से काम नहीं कर रहे हैं। इन निष्क्रिय नेताओं की जगह नई पीढ़ी के, तेज—तर्रार नेताओं को आगे लाया जाएगा, ताकि 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी अभी से शुरू की जा सके और कांग्रेस फिर से उत्तर प्रदेश की राजनीतिक जमीन पर मजबूती से खड़ी हो सके।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के करीबी माने जाने वाले छह राष्ट्रीय सचिवों को एक बार फिर उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन सचिवों की नियुक्ति के बाद, कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और इन छह सचिवों की दिल्ली में एक अहम बैठक हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी संगठन को नए सिरे से तैयार करना और उसे अधिक प्रभावी बनाना था। इस प्रक्रिया में संगठन के भीतर व्यापक बदलाव किए जाएंगे, जिससे पार्टी न केवल आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन कर सके, बल्कि एक बार फिर से राज्य में अपनी पुरानी प्रतिष्ठा हासिल कर सके। कांग्रेस ने संगठन को अधिक गतिशील और सक्रिय बनाने के लिए ठोस योजना बनाई है, जिसमें निष्क्रिय नेताओं की जगह पर ऊर्जावान और प्रतिबद्ध नेताओं को लाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में 1989 के बाद से कांग्रेस को सत्ता से दूर रहना पड़ा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को सिर्फ दो सीटें मिली थीं, जबकि 2019 में यह संख्या घटकर केवल एक रह गई। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और इनमें से छह सीटों पर जीत दर्ज की। ये सीटें अमेठी, रायबरेली, इलाहाबाद, सीतापुर, और सहारनपुर जैसी महत्वपूर्ण थीं, जहां कांग्रेस ने चार दशक बाद जीत हासिल की। इस सफलता के पीछे समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन और मुस्लिम एवं दलित वोटरों का समर्थन महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांग्रेस ने इसे 2027 के विधानसभा चुनावों में एक बड़े अवसर के रूप में देखा है। राहुल गांधी ने इस अवसर को भांपते हुए उत्तर प्रदेश में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है और पार्टी को फिर से जीवंत करने के मिशन में जुटे हैं।

कांग्रेस ने हाल ही में धीरज गुर्जर, राजेश तिवारी, तौकीर आलम, प्रदीप नरवाल, नीलांशु चतुर्वेदी और सत्यनारायण पटेल को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त कर उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। ये सभी नेता प्रियंका गांधी के नेतृत्व में संगठन में अपनी भूमिका निभा रहे थे। तीन दिन पहले दिल्ली में इन सभी सचिवों की शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक हुई, जिसमें जिलों के संगठनों की समीक्षा करने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय किया गया कि जो भी जिला और शहर अध्यक्ष अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तत्परता से नहीं निभा रहे हैं, उन्हें बदला जाएगा और उनकी जगह नए, ऊर्जावान चेहरों को जिम्मेदारी दी जाएगी।

यूपी कांग्रेस के नेताओं को एक बार फिर दिल्ली बुलाया गया है। अविनाश पांडेय, अजय राय और अनिल यादव सहित संगठन के अन्य प्रमुख नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को दिल्ली में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में उपचुनाव की रणनीति पर विचार—विमर्श किया जाएगा, साथ ही संगठन में जरूरी बदलावों पर चर्चा होगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया कि यूपी संगठन में बदलाव की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। जिन जिला और शहर अध्यक्षों को हटाना है, उनकी सूची तैयार कर ली गई है और नए नाम भी तय किए जा चुके हैं।

दिल्ली में होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में कांग्रेस नेतृत्व यूपी संगठन में बदलाव पर अंतिम मुहर लगाएगा। इसके बाद अगले 10 से 15 दिनों के भीतर जिला और शहर अध्यक्षों की नई सूची जारी की जा सकती है। नए अध्यक्षों के चयन के बाद, प्रदेश कमेटी में भी कुछ नए चेहरों को शामिल करने की योजना बनाई जा रही है। इसके साथ ही, संगठन में पहले से कार्यरत लोगों की जिम्मेदारियों में भी बदलाव किया जा सकता है। इस बदलाव के तहत कांग्रेस का उद्देश्य संगठन को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाना है, ताकि आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी एक मजबूत दावेदार बनकर उभर सके।

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में नए अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति की भी रणनीति तैयार की है। मौजूदा अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम को राष्ट्रीय सचिव बनाकर बिहार का प्रभार सौंपा गया है, जिससे यूपी में इस पद पर नया चेहरा लाना आवश्यक हो गया है। इस बार कांग्रेस एक ही व्यक्ति को अध्यक्ष बनाने की बजाय, तीन से चार लोगों को इस जिम्मेदारी के लिए चुनने पर विचार कर रही है। पार्टी ने उत्तर प्रदेश को चार हिस्सों में बांटकर संगठन का गठन किया है और इसी आधार पर अल्पसंख्यक नेताओं को भी नियुक्त करने की योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों में कांग्रेस की पकड़ को मजबूत करना और उन्हें पार्टी के साथ जोड़ना है।

कांग्रेस की प्राथमिकता यह है कि विधानसभा उपचुनाव से पहले संगठन में यह बदलाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि यह बदलाव उपचुनाव की तैयारियों को प्रभावित नहीं करेगा। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में संगठन को जितनी जल्दी हो सके नए स्वरूप में ढालना चाहती है। इस बदलाव की प्रक्रिया के माध्यम से कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने की कोशिश कर रही है। आगामी चुनावों में पार्टी की सफलता का दारोमदार इन बदलावों पर ही टिका होगा, और कांग्रेस को उम्मीद है कि ये बदलाव उसे राज्य में एक बार फिर से प्रमुख राजनीतिक शक्ति बनाने में मदद करेंगे।

संघ समन्वय बैठक का संदेश

—अवधेश कुमार—

केरल के पलक्कड़ में 31 अगस्त से 2 सितंबर तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक से निकले संदेश कई अर्थों में महत्वपूर्ण है। संघ की अखिल भारतीय बैठकों पर देश और भारत में रुचि रखने वाले विदेश की भी दृष्टि रहती है। इस समय भारत के अंदर और पड़ोस में कुछ ऐसी गतिविधियां हो रही है जिनके संदर्भ में बहुत बड़ी संख्या में सक्रिय और आम लोग भी जानने को उत्सुक हैं कि इन पर संघ का मंतव्य क्या है और वह क्या कर रहा है। चूंकि यह संघ से जुड़े मोटा—मोटी सभी संगठनों की वार्षिक बैठक थी तो यहां के स्वर और निर्णय का महत्व है। विरोधियों और राजनीतिक दृष्टि से सोचने वालों को छोड़ दीजिए तो संघ पर निष्पक्ष अध्ययन करने वाले मानते हैं कि जो भी निर्णय या भविष्य के कार्यक्रमों के रूपरेखा बनती है वह सभी संबंधित संगठनों के लिए होता है और सभी उसी तरह काम करते हैं जैसे परिवार के सदस्य। पिछले कुछ महीने में भाजपा और संघ के संबंधों पर कई ऐसे संकेत और वक्तव्य आए जिनसे लगता था कि परस्पर संवाद, सहयोग या समन्वय की कमी है। इनमें भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का वह बयान अभी तक चर्चा में है कि भाजपा उस दौर से काफी आगे बढ़ चुकी है जब उसे संघ की आवश्यकता थी और अब वह अपना कार्य स्वयं संभालने में सक्षम है। लोकसभा चुनाव परिणाम भाजपा और उनके समर्थकों के उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने के कारण भी अनेक अटकलें और टिप्पणियां सामने आ रही थी। राजनीति और सत्ता की ताकत सबसे बड़ी दिखती है इसलिए सामान्य मानस प्रत्येक विषय को इसी के इर्द—गिर्द देखता है। हालांकि सच यही है कि संघ से जुड़े या उसकी प्रेरणा से काम करने वाले अन्य संगठनों की तरह राजनीति में भाजपा भी एक है। सत्ता के पास सर्वाधिक निर्णयकारी शक्तियां है इसलिए उसके महत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। आप देखेंगे कि वहां भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन मंत्री बी एल संतोष की उपस्थिति मीडिया में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रहा। बैठक के आरंभ और अंत में जानकारी देने वाले अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के वक्तव्यों में अपनी ओर से भाजपा पर कुछ न कहना बतता है कि भाजपा पर विशेष फोकस नहीं था। प्रश्न है कि समन्वय बैठक में हुए विमर्शों, भाषणों या वक्तव्यों तथा निर्णयों को किस रूप में देखा जाए?

पलक्कड़ में 32 संगठनों के 320 प्रतिनिधि उपस्थित थे जिनमें 90 अखिल भारतीय स्तर के पदाधिकारी थे। उनमें संघ के शीर्ष नेतृत्व और भाजपा के दोनों नेताओं के अलावा शायद ही हम आपज् किसी का नाम जानते हो। समन्वय बैठक का उद्देश्य सभी संगठनों के पिछले एक सालों की गतिविधियों व उपलब्धियों का विवरण जानना, पिछले बैठक में तय कार्यक्रमों की समीक्षा, संगठनों के कार्यों में कोई समस्या हो तो परस्पर सहयोग से समाधान निकालना, प्रमुख राष्ट्रीय और सामाजिक मुद्दों पर विचार—विमर्श, संगठनों के बीच समन्वय बढ़ाना और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर उसके अनुसार लक्ष्य तय करना होता है जिनमें सभी अपना दायित्व पूरा करने के लिए आगे बढ़े। समन्वय बैठक के बारे में सुनील आंबेकर ने बताया कि हमारे काम का एक ही मूल सिद्धांत है, राष्ट्र प्रथम। मतभेद से संबंधित प्रश्नों पर उनका उत्तर था कि किसी मुद्दे पर मतभिन्नता के बाद राष्ट्र हित का ध्यान रखते हुए निदान किया जाता है। मतभिन्नता या मतभेद को उन्होंने अस्वीकार नहीं किया, यह कहा कि सब कुछ ठीक है।

संघ अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष 2026 की ओर बढ़ रहा है और इस दृष्टि से कुछ कार्यक्रम तय किये। इनमें पांच संकल्प प्रमुख हैं, जिनके आधार पर संघ राष्ट्रव्यापी सामाजिक परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ने की घोषणा कर चुका है। ये हैं, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन यानी परिवार व्यवस्था को मजबूत करना,पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय स्वत्व और नागरिक कर्तव्य यानी जीवन के हर क्षेत्र में स्व—भाव के साथ आगे बढ़ना। केरल में बैठक है तो वायनाड भूस्खलन और त्रासदी का विवरण एवं स्वयंसेवकों का समाज के साथ मिलकर किए गए राहत व पुनर्वास कार्यों का चित्र और आगे की योजनाएं भी सामने रखी गई। इसी तरह महिलाओं और बच्चियों के साथ दुराचार, बांग्लादेश में हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा, वक्फ विधेयक,समान नागरिक संहिता आदि। पूरे देश को हिलाने वाला पश्चिम बंगाल का घटनाक्रम गहन चर्चा में न आये ऐसा हो नहीं सकता।

संघ पिछले अनेक वर्षों से समाज जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं को आगे लाने, उन्हें स्वावलंबी बनाने तथा उनकी भागीदारी बढ़ाते हुए सामाजिक एकता और परिवर्तन पर काम कर रहा है। पिछले समन्वय बैठक में महिलाओं के लक्षित सम्मेलन निर्धारित हुए थे और प्राप्त विवरण के अनुसार सभी राज्यों के जिला केन्द्रों पर कुल 472 महिला सम्मेलन हुए जिनमें 6 लाख की भागीदारी हुई। परिवार को सशक्त करते हुए भारत के सामाजिक आधार को मजबूत करना है तो महिलाओं के अंदर चेतना, आत्मविश्वास तथा उन्हें अधिकाधिक आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना होगा। इस दृष्टि से संघ सामाजिक परिवर्तन लक्ष्य को आगे बढ़ा रहा है। अहिल्याबाई की त्रिशताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की चर्चा और जनजाति महारानी रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती को व्यापक रूप से मनाने का निर्णय हुआ जिसकी पहल वनवासी कल्याण आश्रम करेगा। जरा सोचिए, दिन – रात दलितों, आदिवासियों की बात करने वाले संगठनों, राजनीतिक दलों और नेताओं ने कभी अहिल्याबाई या रानी दुर्गावती के बारे में चर्चा भी की? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और भाजपा की राज्य सरकारों ने पिछले वर्षों में जनजातियों के बीच के राजाओं, महापुरुषों, महारानियों तथा वीरांगनाओं या समाज में योगदान देने वाली महिलाओं – पुरुषों को जिस तरह महिमामंडित कर उनको आगे लाया है वह पहले नहीं देखा गया। गहराई से देखेंगे तो यह लंबे समय संघ की विचारधारा से मिली प्रेरणा और काम करने वाले संगठनों के समन्वय की ही परिणति है। जिस तरह इस समय भारत को जाति और समुदाय के नाम पर खंडित करने का राष्ट्रीय – अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र चल रहा है उनमें केवल उनका प्रतिवाद करने की जगह समाज में सकारात्मक काम करने की आवश्यकता है। आप संघ के समर्थक हों या विरोधी स्वीकार करना पड़ेगा कि यह कार्य व्यापक स्तर पर कोई कर रहा है तो संघ और उसके विचार प्रेरित संगठन ही।

महिलाओं और बच्चियों के विरुद्ध यौन दुराचार पर सभी प्रतिनिधियों द्वारा त्वरित और समयबद्ध न्याय की आवश्यकता पर आम सहमति थी और कहा गया कि कानूनी तंत्र और सरकार को प्रोएक्टिव, सजग और सक्रिय रहने के साथ आवश्यकता होने पर कानूनी ढांचे को मजबूत करना चाहिए। यही पर्याप्त नहीं है। तो संघ के विचार में परिवार स्तर पर शिक्षण के द्वारा जीवन मूल्यों को प्रोत्साहित करने, महिलाओं के बीच आत्मरक्षा कार्यक्रम चलाने और डिजिटल क्षेत्र में महिलाओं से संबंधित मुद्दों विशेषकर ओटीटी प्लेटफॉर्म को हल करना ही महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएगा। उम्मीद करनी चाहिए कि समन्वय बैठक से इस दिशा में निश्चित कार्यक्रम एवं सरकारों के लिए सुझाव आए होंगे जिन पर अमल होगा। बंगाल में राष्ट्रपति शासन पर संघ का मत अलग है। संघ के अनुसार विषय सरकार का है पर यह बहुत लोकतांत्रिक तरीका नहीं है। हालांकि यह भी कहा गया कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को कानून के अनुसार शासन करने और जनता की शिकायतों का समाधान करने के लिए जनता के प्रति जवाब दिए होना चाहिए। पश्चिम बंगाल सरकार क्या इस तरह का व्यवहार करने वाली है?

जाति जनगणना के मुद्दे को राजनीतिक दलों ने जिस उग्रता से सामने रखा है उससे समाज में भ्रम और तनाव दोनों बढ़ा है। अब इस पर देश को निर्णय करना है और स्वभाविक संघ जैसे सबसे बड़े सांस्कृतिक —स्वयंसेवी संगठन का मत इस बारे में देश जानना चाहता है। पहले भी संघ ने इस पर मत दिया है। पत्रकार वार्ता में पूछे जाने पर सुनील आंबेकर के वक्तव्य का मुख्य स्वर यही था कि संघ समाज के पिछड़ों, वंचितों आदि को मुख्यधारा में लाने के लिए आरक्षण सहित हर प्रकार के उपायों का समर्थन करता है। इस दृष्टि से आवश्यक हो तो हां, किंतु ऐसे संवेदनशील मुद्दों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता आदि की दृष्टि से संवेदनशीलता और गंभीरता से काम किया जाए। यानी इसका राजनीतिक दुरुपयोग न हो। अर्थ हुआ कि संघ को जनगणना के साथ जाति गणना में कोई समस्या नहीं है। हां,सचेत होकर गणना कराने के साथ पूरी सतर्कता से इसका उपयोग करना होगा। संघ के अनेक समर्थकों और जानकारों के बीच इस पर स्पष्ट दो राय हैं। अधिकतर प्रतिक्रिया यही है कि जाति गणना के खतरों, पूर्व गणना के आंकड़ों की विसंगतियों ,भारत की जातीय जटिलता और समाज की एकता का ध्यान रखते हुए इसके प्रति देश को सचेत करना चाहिए था। अब संघ ने फिर अपना मत स्पष्ट कर दिया है तो ज्यादातर लोग उसके अनुसार आगे प्रभावों व नकारात्मक उपयोग और दुरुपयोग का पूर्व आकलन करते इससे समाज के रक्षा करने के पूर्व उपाय पर काम करेंगे।

विदेश नीति का पुर्नमूल्यांकन आवश्यक

—मनीष तिवारी—

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद से नई दिल्ली की सबसे स्थायी और सुसंगत विदेश नीति रणनीतियों में से एक एक्ट ईस्ट पॉलिसी रही है। शुरू में लुक ईस्ट पॉलिसी के रूप में शुरू की गई यह विदेश नीति मुख्य रूप से दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित थी। समय के साथ, यह दृष्टिकोण एक व्यापक रणनीति में विकसित हुआ है, जिसमें जापान और दक्षिण कोरिया जैसे पूर्वी एशियाई देशों के साथ गहन जुड़ाव और सीमा पार आध्थक संबंधों को बढ़ावा देकर भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र की आर्थिक और रणनीतिक जरूरतों को देखना शामिल है। हालांकि, पड़ोसी बंगलादेश और म्यांमार में हाल की राजनीतिक अस्थिरता ने नीति की प्रभावशीलता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा की हैं, जो दर्शाता है कि अब एक महत्वपूर्ण पुनर्मूल्यांकन आवश्यक हो सकता है।

पड़ोस में अचानक बदलाव – अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार को हटाने के साथ बंगलादेश में राजनीतिक परिदृश्य में एक नाटकीय बदलाव आया। हसीना का प्रशासन, जिसे लंबे समय से भारत के लिए एक स्थिर और मैत्रीपूर्ण पड़ोसी के रूप में देखा जाता था, व्यापक विरोध के बीच गिर गया। भारत के लिए, जिसने हसीना की सरकार के साथ एक मजबूत संबंध विकसित किया था, यह विकास के लिए एक महत्वपूर्ण झटका है। इस बदलाव ने दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है और भारत के रणनीतिक हितों के लिए कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और कनैक्टिविटी परियोजनाओं पर संदेह पैदा कर दिया है।

इस राजनीतिक उथल—पुथल के तत्काल नतीजों में ट्रेन सेवाओं का निलंबन और भारत—बांग्लादेश सीमा पर माल और लोगों की आवाजाही को रोकना शामिल है। विडंबना यह है कि भारत के लिए एक और अधिक चिंताजनक बात यह है कि बंगलादेश में नया नेतृत्व अपना झुकाव चीन या पाकिस्तान की ओर मोड़ सकता है, जिनके उत्पात के कारण ही सबसे पहले बंगलादेश का निर्माण हुआ, ऐसे देश जिनके साथ भारत के जटिल और अक्सर प्रतिकूल संबंध हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस की अध्यक्षता वाली बंगलादेश की अंतरिम सरकार, बंगलादेश और भारत के बीच पहले से मौजूद घनिष्ठ सहयोग को बनाए रखने के लिए कम इच्छुक हो सकती है। इस तरह के बदलाव के परिणामस्वरूप भू—राजनीतिक पुनर्संरेखण हो सकता है जो भारत के सुरक्षा और आर्थिक हितों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

अंतरिम सरकार के साथ संबंधों को संभालना भारत के लिए मुश्किल हो सकता है। यूनुस प्रशासन ने द्विपक्षीय संबंधों के संभावित पुनरूमूल्यांकन का संकेत दिया है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि भारत के साथ पहले हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों (एम.ओ.यू.) की समीक्षा की जा सकती है या उन्हें बंगलादेश के प्रतिकूल पाए जाने पर रद्द भी किया जा सकता है। यह, भारतीय—वित्तपोषित परियोजनाओं की बढ़ती जांच और तीस्ता जल—सांझाकरण संधि जैसे विवादास्पद मुद्दों पर नए सिरे से चर्चा के साथ, इस क्षेत्र में अपने रणनीतिक हितों को संरक्षित करने में भारत के सामने आने वाली जटिलताओं को उजागर करता है।

म्यांमार में जुड़ाव की दुविधा – भारत के लिए म्यांमार का रणनीतिक और आध्थक महत्व काफी है, खासकर एक्ट ईस्ट पॉलिसी (ए.ई.पी.) के माध्यम से दक्षिण पूर्व एशिया में भारत के प्रभाव को बढ़ाने और आसियान देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए। हालांकि, फरवरी 2021 में सेना के कब्जे से उपजी म्यांमार में राजनीतिक उथल—पुथल एक गंभीर चुनौती पेश करती है। 8 फरवरी, 2024 को, भारत सरकार ने आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने और पूर्वोत्तर राज्यों में जनसांख्यिकीय संतुलन बनाए रखने के लिए सीमा पर बाड़ लगाने के बाद म्यांमार के साथ मुक्त आवागमन व्यवस्था (एफ.एम.आर.) को समाप्त करने का फैसला किया।

भारत—म्यांमार—थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग, जो भारत के पूर्वोत्तर में मणिपुर को म्यांमार में मांडले और बागान के माध्यम से थाईलैंड में माई सोत से जोड़ता है, एक महत्वपूर्ण परियोजना है। जबकि राजमार्ग का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो चुका है, म्यांमार में चल रहे संघर्ष के कारण शेष 30 प्रतिशत पर प्रगति रुकी हुई है।

पिता ने बेटे को सर्जिकल वार्ड से फेंक दिया नीचे, लोगो ने बच्चे को कर लिया कैच

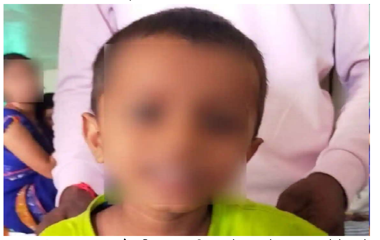

संवाददाता—देवरिया। मेडिकल कॉलेज में रविवार को भोर में एक अजीबोगरीब घटना हुई। एक पिता ने अपने मासूम बेटे को सर्जिकल वार्ड की खिड़की से नीचे फेंक दिया। संयोग ठीक था कि उसी समय नीचे से गुजर रहे हैं लोगों ने बच्चे को कैच कर लिया जिससे उसकी जान बच गई।

जाको राखे साइयां मार सके ना कोय। कबीर दोहावली का ये महत्वपूर्ण दोहा रविवार को चरितार्थ हो गया। भोर होते ही यहां के महर्षि देवराहा बाबा मेडिकल कॉलेज में एक अजीबोगरीब घटना हुई। एक पिता ने अपने मासूम बेटे को सर्जिकल वार्ड की खिड़की से नीचे फेंक दिया। संयोग ठीक था कि उसी समय नीचे से गुजर रहे हैं लोगों ने बच्चे को कैच कर लिया जिससे उसकी जान बच गई। जानकारी होने पर मेडिकल कॉलेज में पुलिस पहुंच गई। पिता को हिरासत लेकर कोतवाली चली गई। बाद में परिजनों की मनुहार पर पुलिस ने उसे छोड़ दिया। बच्चे का पिता नशे का आदी बताया जा रहा है।

गौरीबाजार थाना क्षेत्र के सुपारी निवासी शख्स का 5 साल का बेटा सर्जिकल वार्ड में 4 सितंबर से भर्ती है। बच्चे का हर्निया का ऑपरेशन हुआ है। माता—पिता दोनों उसकी सेवा में मेडिकल कॉलेज में ही साथ में रहते हैं। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की भोर में करीब 4रू30 बजे लकी को उसका पिता पेशाब कराने के बहाने ले गया और सर्जिकल वार्ड की खिड़की से लटका कर फेंकने की बात कहने लगा। नीचे से किसी रोगी के परिजन ने यह देख लिया। उसके बुलाने पर चार—पांच लोग नीचे इकट्ठा हो गए। इधर, खिड़की से लटकाए गए बच्चे को उसके पिता ने छोड़ दिया।

संयोग ठीक था कि नीचे यह घटनाक्रम देख रहे लोगों ने बच्चों को कैच कर लिया। जिससे उसकी जान बच गई। मामले की जानकारी किसी ने पुलिस को दे दी। कोतवाली पुलिस ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर आरोपी पिता को हिरासत में लेकर कोतवाली चली गई। बाद में परिजनों ने मनुहार कर उसे पुलिस की हिरासत से छुड़ाया। बच्चा अभी भी मेडिकल कॉलेज के सर्जिकल वार्ड में भर्ती है। उसकी देखरेख मां कर रही है। घटना को लेकर मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मचा रहा।

घर से शौच के लिए निकली दो किशोरियों का तालाब में उतराता मिला शव

संवाददाता—गोण्डा। जिले के इटियाथोक थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह छिछुली गांव के कोटिया तालाब में दो किशोरियों का शव उतराते हुए कुछ ग्रामीणों ने देखा तो हड़कंप मच गया। तालाब में उतरा रहे शव की सूचना मिलते ही काफी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए। पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को तालाब से बाहर निकलवाया। क्षेत्राधिकारी शिल्पा वर्मा ने घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली। फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य संकलित किए। शवों की पहचान पूनम (16) पुत्री खुनखुन गौतम व पम्मी (15) पुत्री राजकुमार के रूप में हुई है।इधर, दोनों बच्चियों के मौत की सूचना मिलते ही रोते बिलखते परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

इटियाथोक थाना क्षेत्र के भवानीपुर उपाध्याय ग्राम पंचायत के गांव छिछुली के रहने वाले खुनखुन ने बताया, कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री पूनम व पड़ोसी राजकुमार की 15 वर्षी पुत्री पम्मी शनिवार दोपहर को शौच लिए गांव के पूर्व दिशा में स्थित कोटिया तालाब की ओर गई थी। घंटों बाद जब दोनों बच्चियां घर वापस नहीं लौटीं तो घर वालों को चिंता हुई। उनकी तलाश की गई। काफी खोजबीन के बावजूद देर शम तक दोनों का कोई पता नहीं चल सका। तालाब के किनारे चप्पल मिला है।आशंका व्यक्त की जा रही है। कही अचानक पैर फिसल जाने से एक बच्ची तालाब में डूबने लगी। जिसे बचाने के चक्कर में दूसरी बच्ची भी तालाब में डूब गई होगी। घटना के बाद से दोनों बच्चियों के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

बजरंग की मानसिकता खराब, पत्नी को दांव पर लगाया, महाभारत की द्रौपदी से बृजभूषण शरण सिंह ने की तुलना

संवाददाता—गोण्डा। बयानों को लेकर एक बार फिर भाजपा के पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह सुर्खियों में हैं। रविवार को विश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में अंतर्राष्ट्रीय पहलवानों पर फिर निशाना साधा। बजरंग पूनिया के मानसिकता खराब वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मानसिकता तो पूनिया की खराब है, अपनी पत्नी को दांव पर लगा दिया है। उन्होंने जंतर—मंतर पर हुए आंदोलन पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि आंदोलन को लीड कौन कर रहा था, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और सांसद दीपेंद्र हुड्डा कर रहे थे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आई थीं और आज जो सिक्वेंस मिल रहे हैं कांग्रेस के मिल रहे हैं। बताया कि खिलाड़ियों का नहीं एक परिवार और एक अखाड़े का प्रदर्शन था। जीजा—साली और एक अखाड़ा था। वहीं पांच हजार वर्ष पहले द्रौपदी को दांव पे लगाया था और हार गए। देश ने आज भी माफ नहीं किया है। वैसे जो हमारे देश के बहन बेटियों को दांव पर हुड्डा परिवार ने लगाया है, देश उन्हें माफ नहीं करेगा। इसके गुनहगार वो रहेंगे। कहा कि जिन तीन घटनाओं का आरोप हमारे ऊपर लगा है, उसमे मैं बाहर था। एक में मैं सर्बिया में था और दो घटनाओं के दिन लखनऊ में था। यह कोर्ट का विषय है लेकिन सब बातें जब निकल के आएंगी तो जवाब देते नहीं बनेगा।

कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा की कांग्रेस हमारी कुंडली में बैठी है, सन 1974 में जब मेरा घर गिराया गया था, तब भी कांग्रेस की सरकार थी। पहला मुकदमा लिखा गया था, जब मेरे ऊपर टांडा लगा था तब भी कांग्रेस की सरकार थी। कांग्रेस मेरी कुंडली में बैठी है। हरियाणा चुनाव को लेकर तो वह कुछ नहीं बोले, लेकिन कांग्रेस को कई मुद्दों पर घेरा। हरियाणा चुनाव के बीच विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में शामिल होने के बाद से लगातार बृजभूषण शरण सिंह का बयान आ रहा है। इस पर भाजपा सतर्क हो गई है, मीडिया से बातचीत के दौरान की रविवार को भाजपा हाईकमान का फोन पूर्व सांसद के पास आया है। बताया जा रहा है कि बयानों पर नियंत्रण की सलाह एक बार फिर दी गई है। हालांकि, पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने स्पष्ट किया कि वह कोई पत्रकार वार्ता नहीं कर रहे हैं, सिर्फ सवालों का जवाब दे रहे हैं।

सड़क निर्माण के लिए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता—महराजगंज। चिऊरहा—बागापार मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर रविवार को ग्रामीणों ने बागापार में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना रहा कि मार्ग में जगह—जगह बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं। लेकिन बार—बार मांग करने के बाद भी निर्माण नहीं किया गया है। सड़क नहीं बनी तो लोग जिला मुख्यालय पर धरना देंगे। पूर्व प्रधान रामराज चौरसिया ने कहा कि जब से सड़क को पिच किया गया है, तब से अपेक्षित छोड़ दिया गया है। इससे वर्तमान में सड़क पूरी तरह से टूट चुकी है। 9 किमी लंबी इस सड़क की पैचिंग की भी मांग की गयी। लेकिन जिम्मेदारों ने अब तक ध्यान नहीं दिया। इससे सड़क के बीच बने गड्ढे में लोग गिरकर घायल हो रहे हैं। लोगों ने चेतावनी दी कि सड़क नहीं बनी तो ग्रामीण जिला मुख्यालय पर धरना देंगे। इस दौरान अब्दुल मजीद, नंदलाल, रामदास चौरसिया, मदन, तबरेज आलम, श्रीपत वर्मा, हरेंद्र, गोविंद, रामप्रित, शैलेंद्र, रघुनाथ, प्रमोद आदि मौजूद रहे।

डीएम ने भिनगा देहात व राजापुर रानी में की स्टाम्प की जांच

संवाददाता —श्रावस्ती। डीएम ने मौके पर पहुंचकर स्टाम्प की जांच की। साथ ही मिलाकन स्टाम्प का सत्यापन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्टाम्प की चोरी पर अंकुश लगाने के लिए समय समय पर जांच करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने रविवार को तहसील भिनगा के ग्राम भिनगा देहात व राजापुररानी में मौके पर पहुंचकर बड़े मालियत भूमि की स्टाम्प की जांच की। साथ ही स्टाम्प का मिलान कर सत्यापन किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने स्टाम्प जांच से सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्थिति में कोई भी स्टाम्प की चोरी न करने पाए। इसके लिए समय—समय पर आकस्मिक जांच कर स्टाम्प का मिलान अवश्य किया जाय। जांच के दौरान यदि स्टाम्प की कमी पायी जाती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही भी की जाय। इस मौके पर उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल, नायब तहसीलदार सहित राजस्व निरीक्षक, लेखपाल व अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस टीम पर हमला करने वाले चार पशु तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता—बलरामपुर। पुलिस टीम में शामिल आरक्षी पर हमला करने वाले चार पशु तस्करों को पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी तुलसीपुर थाना क्षेत्र स्थित कहारनडीह गांव के निकट शनिवार रात हुई है। जब्त किए गए मवेशी लदे पिकअप वाहनों को नीलाम कर धनराशि सरकारी खाते में जमा की जाएगी। दोनों वाहन चालकों की तलाश मे पुलिस जुटी है। पशु तस्करों के विरुद्ध आरक्षी पर प्राण घातक हमला करने, पशु कूरता व गोवध निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज है। पशु तस्करों के तार रामपुर जिले से जुड़े होने का मामला प्रकाश में आया है। पशु तस्करों के पास एक मोटर साइकिल व चार मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

एक सितंबर को तुलसीपुर गौरा चौराहा स्थित गुलरिहा घाट के पास पिकअप पर गोवंशीय पशुओं को लादने की खबर मिली थी। मुखविर से पता चला था कि दो पिकअप पर आठ मवेशियों को लादा गया है। पशु तस्कर उन्हें रामपुर जिला ले जाने की फिराक में हैं। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में मौके पर पहुंची टीम को देख पशु तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकले थे। पिकअप में आठ मवेशी लादे गए थे। दूसरी पिकअप के चालक ने पुलिस को देख रफ्तार बढ़ा दी। घटना की सूचना डीसीआरबी व गौरा चौराहा पुलिस को वायरलेस की जरिए दी गई थी। पशु तस्करों ने अचानक पुलिस टीम पर हमला कर दिया था। आरक्षी मनीष कुमार के सिर पर डंडे से वार किया था। आरक्षी का सिर फटने के कारण पुलिस टीम को बैक होना पड़ा था। यहां तक कि पुलिस कर्मियों की जान बचाने के लिए प्रभारी निरीक्षक को हवा में गोलियां चलानी पड़ी थीं। पिकअप वाहनों को तुलसीपुर थाने लाकर सील कर दिया गया था। मवेशियों को गुलरिहा घाट के ग्रामीणों के सुपुर्द किया गया था। घटना को पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने गंभीरता से लिया था। उन्होंने तस्करों को पकड़वाने की जिम्मेदारी अपर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार तिवारी व क्षेत्राधिकारी राकेश कुमार सिंह को दी थी। वे लगातार घटना का राजफास करने के लिए मॉनिटरिंग में लगे थे।

शिक्षकों को संरक्षण दे राज्य सरकार

संवाददाता—महराजगंज। परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षक व शिक्षिकाओं ने रविवार को केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी को उनके धनेवा स्थित आवास पर पहुंचकर ज्ञापन दिया। उन्होंने संरक्षण देने की मांग की। साथ ही शिक्षकों की मांग को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का अनुरोध किया।

शिक्षकों ने 69000 शिक्षक भर्ती के संबंध में ज्ञापन दिया। कहा कि शिक्षकों को राज्य सरकार संरक्षण प्रदान करे। राज्यमंत्री ने शिक्षकों से कहा कि यह मामला उच्चतम न्यायालय में चल रहा है तो शिक्षकों ने कहा कि हमारी समस्या मुख्यमंत्री तक पहुंचे, जिससे शिक्षकों को सरकार व न्यायालय का संरक्षण प्राप्त हो सके। इस भर्ती में कई शिक्षक अन्य विभाग की नौकरी से त्यागपत्र देकर आए हैं तथा कुछ तो निर्धारित आयु सीमा भी पूरी कर चुके हैं।

कई शिक्षकों पर ऋण का बोझ भी है। चयनित शिक्षकों के चयन सूची से बाहर किए जाने पर उनके भविष्य पर संकट आ जाएगा। ऐसी दशा में उक्त मामले का निस्तारण विधि विशेषज्ञ अथवा किसी उच्च स्तरीय समिति के माध्यम से कराया जाए। ज्ञापन देने वालों में मोनिका शर्मा, अनामिका मिश्र, अंजुम, पार्वती, साकेत जैन, रजत, कीर्तिमान पांडेय, रोहित, नंदन शाही, काजल सिंह, पुनीत श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

साइकिल चलाकर फिजियोथेरेपी के प्रति किया जागरूक

संवाददाता—महराजगंज। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर केएमसी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल और नव्या इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को साइकिल रैली निकाली गई। फिजियोथेरेपी अनुभाग के छात्र—छात्राओं ने फिजियोथेरेपी के प्रति जागरूक किया। रैली को उप जिलाधिकारी सदर रमेश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर केएमसी मेडिकल कॉलेज से रवाना किया। सुबह आठ बजे से केएमसी मेडिकल कॉलेज एंड हास्पिटल से रैली निकली तो स्टेडियम तक पहुंची। रैली में शामिल छात्र—छात्राओं ने लोगों को स्वस्थ रहने के प्रति जागरूक किया। फिजियोथेरेपी से जुड़े स्लोगन के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया गया। डॉ. देव, डॉ. भानुप्रिया, जीतू मेधवाल और एडमिन संतोष श्रीवास्तव, रेखा श्रीवास्तव की ओर से मशाल जलाकर प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया गया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क रहा। साइकिल रैली समाप्त होने के बाद मेडिकल कॉलेज के सभागार में गोष्ठी का आयोजन हुआ। यहां सभी छात्र—छात्राओं को सहभागिता प्रमाणपत्र वितरित किया। फिजियोथेरेपी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. डीके कुशवाहा ने बताया कि विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर निर्धारित थीम लोअर बैक पेन के प्रति लोगों को जागरूक किया। रैली के पीछे का उद्देश्य जन—जन की जागरुकता और फिजिकल एक्टिविटीज को बढ़ावा देना है। आज के समय में सभी मानसिक परिश्रम तो कर रहे हैं लेकिन शारीरिक परिश्रम की तरफ किसी का ध्यान नहीं है, जिसके कारण विभिन्न तरह की शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। साइकिल चलाना अपने आप में एक व्यवस्थित व्यायाम है जो की शरीर को दुरुस्त रखने में मदद करता है। इस दौरान रुक्मणी, सोनम, रेनू, पूजा, विनय, लक्ष्मी, किरण, उषा, अंजूम, संजना, दीपचंद, सोफिया, प्रिया, दिनेश मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन फिजियोथैरेपी विभाग के छात्र आरिफ और ज्योति ने किया।

विश्व भौतिक चिकित्सा दिवस पर लगा चिकित्सा शिविर

संवाददाता—देवरिया। विश्व भौतिक चिकित्सा दिवस पर बारीपुर सिद्ध पीठ के प्रांगण में रविवार को वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डा. डीके पाण्डेय के संयोजन में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें कुल 261 मरीजों को दर्द से मुक्ति के लिए व्यायाम करने की सलाह के साथ निरूशुल्क दवाएं दी गई ।इस अवसर पर डा. डीके पाण्डेय ने कहा कि स्वस्थ्य रहने के लिए नियमित व्यायाम बहुत जरूरी हैं, योग व्यायाम ही निरोगी जीवन का मूल मंत्र हैं। ऋषि पंचमी के पावन पर्व पर ऋषि मुनियों द्वारा दिया गया योग, प्रणायाम को अपना कर हर व्यक्ति स्वस्थ्य जीवन जी सकता हैं ᐧ कार्यक्रम का शुभारम्भ उत्तराधिकारी महंथ गोपाल दास ने किया, श्री दास को चिकित्सकों ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसमें डा.संतोष पाण्डेय, डा. प्रशान्त मिश्र ,डा. सतीश जैसवाल, डा. इकराम अंसारी, डा. केके मिश्र, डा. केडी मिश्र,डा. वाईके यादव, डा. नरेंद्र नाथ यादव, डा.आलोक पाठक आदि ने मरीजों का जांच, इलाज किया।

यूपीएस है एनपीएस का रूप, सिर्फ ओपीएस ही मान्य —दिलीप

संवाददाता—बलरामपुर। जिला पंचायत कैंपस के नॉर्मल स्कूल प्रांगण में बिशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन जिला इकाई की बैठक आयोजित हुई। जिसमें शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा की गई है।

बैठक की अध्यक्षता बिशिष्ट बीटीसी शिक्षक एसोसिएशन के प्रांतीय कोषाध्यक्ष/मंडल अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद दिलीप चौहान एवं संचालन जिला मंत्री तुलाराम गिरी ने किया। शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार शुक्ला एवं जिला मीडिया प्रभारी निर्मल द्विवेदी ने कहा कोई भी शिक्षकध्कर्मचारी यूपीएस को स्वीकार नही करेगा। सरकार ने एनपीएस का नाम बदलकर शिक्षकों के साथ छलावा किया है जो कतई स्वीकार नहीं है। हम सबका एक ही लक्ष्य है, पुरानी पेंशन सिर्फ और सिर्फ पुरानी पेंशन। जब तक सरकार पुरानी पेंशन बहाल नहीं करती अगली रणनीति के तहत आन्दोलन जारी रहेगा। बैठक का संचालन कर रहे जिला महामंत्री तुलाराम गिरी एवं उपाध्यक्ष डॉ उत्तम चंद्र गुप्ता ने कहा कि सरकार हमारी हूबहू पुरानी पेंशन बहाल करे। अन्य कोई पेंशन मंजूर नहीं किया जाएगा। सरकार हम सबको पेंशन के नाम पर गुमराह न करे। पुरानी पेंशन बहाल कर अपनी भूल को स्वीकार करें। इस अवसर पर संरक्षक राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, कोषाध्यक्ष मसूद आलम अंसारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष चन्द्र मिश्रा, प्रवक्ता डा उत्तम चन्द्र गुप्ता, संयुक्त मंत्री विनोद चौहान, राघवेन्द्र प्रताप मिश्रा, शिवाकांत मिश्रा, मीडिया प्रभारी निर्मल कुमार द्विवेदी, मंत्री पंकज श्रीवास्तव, रामानुज वर्मा, धर्मेन्द्र गुप्ता, जटा शंकर यादव, बृजेन्द्र दूबे, अमरजीत, अंशुमान शुक्ला, चन्द्रेश मिश्रा, शंकर शुक्ला व प्रदीप चौहान आदि मौजूद रहे।

श्रीसीताराम विहार निकुंज बने काशी दास

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। धर्मनगरी के लवकुशनगर स्थित प्रतिष्ठित पीठ श्रीसीताराम विहार निकुंज का नया महंत काशी दास को बनाया गया। महंताई समारोह के दौरान रामनगरी के संत—महंत व धर्माचार्यों ने साधुशाही विरक्त परंपरानुसार उन्हें कंठी, चादर, तिलक देकर महंती की मान्यता प्रदान किया। आश्रम के महंत रहे रामदास रामायणी महाराज, जिन्हें लोग मंजीरा बाबा के नाम से जानते थे और इसी नाम से वह विख्यात रहे। उनका कुछ दिन पहले साकेतवास हो गया। रविवार को मंजीरा बाबा का त्रयोदश संस्कार रहा। जिस पर अयोध्याधाम के विशिष्ट संत—महंतों ने उनके शिष्य काशी दास को श्रीसीताराम विहार निकुंज की महंती सौंपी और मठ की गद्दी पर उनकी ताजपोशी किया। अपनी महंती से काशी दास अविभूत दिखे। उन्होंने कहा कि संतों ने उन्हें श्रीसीताराम विहार निकुंज आश्रम की महंती सौंपी है। उस पर वह अक्षरशरू खरा उतरेंगे। उनके द्वारा ऐसा कोई कार्य नही किया जायेगा। जिससे महंत पद व मठ की प्रतिष्ठा पर आंच आए। सदैव पद की प्रतिष्ठा बनाकर चलेंगे। आश्रम में ठाकुर जी की सेवा संग गौ, संत, विद्यार्थी, अतिथि सेवा सुचार रूप से चलती रहेगी। मंदिर का सर्वांगीण विकास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके गुरूदेव विलक्षण प्रतिभा के धनी संत रहे। जो भजनानंदी संत होने के साथ—साथ गौ एवं संत सेवी थे। साधुता तो उनमें देखते ही झलकती थी। वह अब हम सबके बीच नही हैं। उस रिक्त स्थान की पूर्ति भविष्य में कभी नही की जा सकती है। लेकिन उनकी यश—कीर्ति हमेशा हम लोगों के साथ रहेगी। इस अवसर पर काफी संख्या में संत—महंत, धर्माचार्यों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के नये महंत काशी दास द्वारा आए हुए संत—महंतों का स्वागत—सत्कार कर भेंट, विदाई दी गई। यह सारा कार्यक्रम अंजनी गुफा रामकोट के महंत राममंगल दास रामायणी महाराज के संयोजन में संपन्न हुआ। महंताई समारोह में अंजनी गुफा के महंत राममंगल दास रामायणी, प्रेम आश्रम के पीठाधिपति महंत देवनारायण दास, सरयूकुंज पीठाधीश्वर महंत राममिलन शरण, राम लक्ष्मण कुंज के महंत आचार्य लक्ष्मण दास, महंत नवल दास, विजयराम दास समेत अन्य संत—महंत एवं मंदिर से जुड़े शिष्य—अनुयायी, परिकर मौजूद रहे।

समिति के विस्तार पर दिया गया जोर

संवाददाता—बलरामपुर। सवर्ण आर्मी की एक बैठक रविवार को ललिया स्थित मोहनलाल राम लाल इंटर कॉलेज शिवपुरा में आयोजित की गई। बैठक में समिति के विस्तार पर चर्चा की गई। समिति के जिलाध्यक्ष संदीप मिश्रा ने कहा कि समिति के विस्तार के लिए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को पूरी ईमानदारी के साथ काम करना होगा। समिति में अधिक से अधिक संख्या में नए सदस्यों को जोड़ना होगा। सवर्ण आर्मी समाज के लिए कार्य करने का प्रयास करती है। कहीं भी किसी के साथ अन्याय होने पर आवाज उठाती है। आईटी सेल प्रभारी सुशील मिश्रा ने कहा कि आज का समय हाईटेक का है।

तालाब में उतराती मिली युवक की लाश

संवाददाता—बहराइच। जिले में लाशें मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। रविवार को दोपहर में मटेरा इलाके के एक गांव के बाहर तालाब में किसी युवक का शव उतराता मिला है। जो कई दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने लाश की पहचान न होने पर फोटो व वीडियोग्राफी कराकर पहचान को मर्च्युरी में रखवाया गया है। नियमानुसार 72 घंटे बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

मटेरा थाने के पड़री तारा गांव के बाहर तालाब स्थित है। रविवार को दोपहर लगभग साढ़े ग्यारह बजे मवेशियों को चराने रहे चरवाहों ने एक फूला हुआ शव तालाब में उतराते देखा। जिससे भीषण दुर्गन्ध उठ रही थी। यह खबर फैलते ही पड़री तारा व आसपास के ग्रामीणों की भीड़ तालाब पर पहुंचने लगी। जानकारी मिलते ही एसएचओ परमानंद तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। तैराकों को तालाब में उतारा गया। कड़ी मशक्कत से शव को बाहर निकलवाया गया। शव की पहचान के प्रयास विफल हो गए। शव कई दिनों पुराना था, जो फूल कर सड़ने लगा था। युवक की आयु लगभग 40 वर्ष के आसपास आंकी गई है। परमानंद तिवारी, एसएचओ ने कहा कि युवक का शव तीन चार दिन पुराना है। काफी फूल चुका है। ऐसी कोई चीज नहीं मिली, जिससे पहचान हो सके। फोटो ग्राफी कराकर पहचान को मर्च्युरी में रखवाया गया है।

पति ही निकला पत्नी का हत्यारा

संवाददाता—गोण्डा। जिले के इटियाथोक थाना के गांव धर्मेई में गुरुवार को परवीन बेगम 45 वर्ष की उसके घर में चाकूओ से गोदकर हत्या कर दी गई। गांव के पूर्व प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर पुलिस के अधिकारियों ने घटनास्थल पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जांच पड़ताल की। फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वायड टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की गई। मृतका के भाई खलील की तहरीर पर इटियाथोक थाने में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरू की तो पूरे घटनाक्रम की पोल खुल गई। इस मामले में पुलिस ने मृतका के पति अलाउद्दीन को हिरासत में लेकर पूछताछ किया तो वह टूट गया। उसने पत्नी की चाकुओं से गोदकर हत्या करने की बात को स्वीकार करते हुए पुलिस को बताया कि आए दिन उसका पत्नी से झगड़ा हुआ करता था। गुरुवार की सुबह विवाद होने के बाद वह बिना खाए ई— रिक्शा लेकर अपने काम पर निकल गया। कुछ देर बाद मोबाइल फोन पर खाना खाने की बात को लेकर पत्नी और उसके बीच फिर विवाद हुआ। आरोप है कि इस दौरान उसकी पत्नी ने उसे काफी कुछ कहा जिसके बाद वह दोबारा ई रिक्शा लेकर अपने घर पहुंचा। उस समय उसकी पत्नी सो रही थी। गुस्से में आकर उसने किचन में रखें चाकू उठाकर उसके गले पर ताबड़तोड़ कई वार किया। जिससे घटनास्थल पर उसकी मौत हो गई। उसके बाद वह ई रिक्शा लेकर चला गया। फिर कुछ देर बाद वापस लौटने पर उसने गांव के पूर्व प्रधान को पत्नी की हत्या होने की बात बताई। घटना के दिन से ही यह बात किसी के गले नहीं उतर रही थी। लोग पति को ही शंका की निगाह से देख रहे थे। अंत में वही सच निकला। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

अपने किरदार व अमल से मोहब्बत का दें संदेश -शाबान

संवाददाता—बलरामपुर। मदरसा जामिया अहले सुन्नत फखरूल उलूम के बैनर तले बारह रबीउल अव्वल की तैयारियों को लेकर जामा मस्जिद ईदगाह बीबी बांदी साहिबा परिसर में बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत कारी अब्दुल बारी ने तिलावत—ए—कुरान से किया।

पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि शाबान अली ने सामाजिक समरसता व आपसी भाई चारे और धार्मिक सौहार्द को बनाए रखते हुए मोहसिने इंसानियत के जन्मदिवस के समारोह को मनाने की बात कही। कहा कि अल्लाह के प्यारे नबी मोहम्मद साहब ने हमें मानवता का संदेश दिया है। इसलिए हमें जुलूस—ए—मोहम्मदी में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारे किसी भी कार्य व्यवहार से किसी को कोई तकलीफ न होने पाए। हमें अपने किरदार व अमल से मोहब्बत का संदेश देना है। 16 सितंबर को जश्न—ए—ईद मिलादुन्नबी मनाया जाएगा। मदरसा अनवारुल कुरान के प्रबंधक डॉ इकबाल अहमद खां ने कहा कि जश्न—ए—ईद मिलादुन्नबी धूम धाम से मनाएं, लेकिन किसी को तकलीफ पहुंचाने वाला कोई कार्य न करें। मौलाना अब्दुल वहाब खां व मौलाना नसीम सकाफी ने जुलूस—ए—मोहम्मदी इस्लामी वेश भूषा में शामिल रहने का संदेश दिया। हाफिज अहमद रजा ने कहा कि जुलूस में डीजे आदि पर अमर्यादित चीजें न बजाएं, उत्तेजक नारे न लगाएं, भीड़ में उछल कूद न करें और न ही डांस करें सिर्फ इस्लामी नारे ही लगाएं। मौलाना मोहम्मद उमर रजवी ने कहा कि उलमा की अगुवाई में जुलूस निकाला जाएगा। हाफिज अनवार अहमद ने नौजवान कमेटी सराय फाटक, वीर विनय चौराहा से चौक बाजार तक होने वाली सजावट आदि की जानकारी दी। खाक सार के जिम्मेदार ढोड़े पहलवान ने जुलूस की सुरक्षा की तैयारियों को बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य मदरसा मौलाना अब्दुल वहाब खां ने की एवं संचालन मौलाना सादिक हुसैन बरकाती ने किया।

कोई डकैत मारा जाता है तो सपा को लगता है बुरा –योगी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अंबेडकरनगर में कहा कि सत्ता में आने के लिए सपा षड्यंत्र रच रही है। जाति के नाम पर लोगों को बांटने की कोशिश हो रही है। सीएम बोले कि सपा सरकार में जो जितना बड़ा गुंडा होता था उसको उतना बड़ा ओहदा मिलता था। सीएम हीड़ी पकड़िया में 12 अरब 31 करोड़ रुपए से जुड़ी परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम विकास, सुरक्षा और खुशहाली ला रहे जबकि सपा और कांग्रेस को सिर्फ माफियाओं की फिक्र रहती है। सपा के राज में माफियाओं की जिले जिले में समानांतर सरकार चलती थी। पहले माफिया त्योहार नहीं होने देते थे। अब माफियाओं की छुट्टी हो गई है। योगी ने सपा प्रमुख का नाम लिए बिना कहा कि सत्ता विरासत में मिल सकती है लेकिन बुद्धि नहीं। सीएम ने सुल्तानपुर डकैती में एक बदमाश के मारे जाने को लेकर सपा प्रमुख की आपत्ति पर उन्हें निशाने पर रखा। बोले कि असलहा लहरा कर डकैती डाल रहे बदमाश ने यदि किसी ग्राहक को गोली मार दी होती तब क्या होता। उस ग्राहक में कोई यादव भी हो सकता था। लगभग 40 मिनट के भाषण में सीएम ज्यादातर समय सपा और कांग्रेस पर ही हमलावर रहे। उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कटेहरी बाजार में बाईपास निर्माण और सुरहुरपुर में सुहेलदेव स्मृति में स्मारक निर्माण की घोषणा भी की। सीएम योगी ने कहा कि सपा सरकार में गुंडों की पूरी फौज थी, सपा के लोग उन्हें अपना शागिर्द मानते थे। जितना बड़ा गुंडा होता है, सपा में उतना बड़ा ओहदा मिलता है। सपा के लोगों को इसी में गौरव की अनुभूति होती है। सपा की सरकार में पुलिस भागती थी और गुंडे माफिया दौड़ाते थे। आज उल्टा हो गया है। माफिया भाग रहा है, पुलिस दौड़ा रही है। सुल्तानपुर एनकाउंटर पर इशारों–इशारों में उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में जब कोई डकैत मारा जाता है तो सपा के लोग तिलमिला जाते हैं। लगता है जैसे उनकी दुखती नस पर हाथ रख दिया गया है। पुलिस मुठभेड़ में डकैत के मारे जाने का सपा को बुरा लग रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि एक बेटी, सबकी बेटी है। उसके सम्मान और रक्षा का दायित्व पूरे समाज का होता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में निषाद बेटी के साथ सपा के नेता ने क्या किया, किसी से छुपा हुआ नहीं है। निषाद बेटी की इज्जत के साथ खिलवाड़ करने वाले आरोपी का सपा के लोग बचाव कर रहे हैं। कन्नौज में नाबालिग बेटी के साथ अन्याय करने वाला भी सपा का नेता है। उसको भी ये लोग बचाने की कोशिश कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि सपा सरकार में दबंगई के बल पर गुंडे एवं माफिया गरीब और व्यापारी की जमीन पर कब्जा करते थे, लेकिन हमारी सरकार माफिया और गुंडों से जमीन जब्त कर गरीबों में बांटने का कार्य कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि बेटी और व्यापारी सुरक्षा पर खतरा पैदा करने वाले लोग गायब हो गए हैं, जो माफिया बचे हैं वो अंतिम यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कानून को हाथ में लेने का अगर कोई दुस्साहस करेगा तो उसका काम तमाम करने कार्य डबल इंजन की सरकार करेगी। सीएम योगी ने कहा कि जाति की राजनीति करने वाले लोग आम नागरिक की सुरक्षा में सेंध लगाना चाह रहे हैं। इन्हें जब भी सत्ता मिली, तुष्टिकरण किया और अराजकता फैलाई। पर्व और त्योहार के दौरान दंगा कराया। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस के लोग जाति के नाम पर लड़वाने का कार्य करेंगे। यह हम सबके एकजुट होने और विकास की प्रक्रिया से जुड़ने का समय है। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश के हर जिले में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस द्वारा पोषित माफिया की समानांतर सरकारें चलती थीं। हिंदू जागरण मंच के अध्यक्ष की टांडा में हत्या होती है और कोई सुनवाई नहीं होती है। 2017 के बाद उत्तर प्रदेश माफिया मुक्त बन गया है। उन्होंने कहा कि विकास और लोककल्याण से सपा–कांग्रेस का कोई लेना देना नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का मानचित्र हम सबके सामने रखा है। इसके लिए उन्होंने 25 वर्ष की व्यापक कार्ययोजना भी रखी है। इसके अन्तर्गत डबल इंजन की सरकार हर हाथ को काम और हर खेत को पानी के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का बनना देश की बहुसंख्यक आस्था की आवश्यकता की पूर्ति थी। उन्होंने कहा कि आज 15 करोड़ लोगों को उत्तर प्रदेश में राशन की सुविधा का लाभ मिल रहा है। 56 लाख गरीबों को मकान मिला है। 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा रही है। प्रदेश के दो करोड़ युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन दे रहे हैं। हम जाति, मत, मजहब और चेहरा देखकर योजना नहीं चलाते हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के युवा अपना उद्योग लगाएं हमारी सरकार पहले चरण में पांच लाख तो दूसरे चरण में 10 लाख रुपये का ब्याज मुक्त लोन दे रही है। उन्होंने कहा कि सपा के लोगों को जब कभी अवसर मिलता है तो आपस में उलझ पड़ते हैं, क्योंकि इन्हें पता है कि आम जनता को अगर छुआ तो पुलिस की लाठी उन्हें ठीक कर देगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लिखा कि भाजपा शासित राज्यों में 'कानून और संविधान' की धज्जियां वही उड़ा रहे हैं, जिनपर उनका पालन कराने की जिम्मेदारी है। एसटीएफ जैसी प्रोफेशनल फोर्स को भाजपा सरकार में 'आपराधिक गिरोह' की तरह चलाया जा रहा है, जिस पर केंद्र सरकार की चुप्पी इस 'ठोको नीति' पर उनकी स्पष्ट सहमति है। यूपी एसटीएफ के दर्जनों एनकाउंटर सवालों के घेरे में हैं। क्या आज तक उनमें से किसी भी अधिकारी पर कोई कार्रवाई हुई? आखिर कौन उन्हें बचा रहा है और क्यों? उन्होंने आगे लिखा कि कैमरों के आगे संविधान को माथे से लगाना सिर्फ ढोंग है, जब आपकी सरकारें ही उसकी खुलेआम धज्जियां उड़ा रही हों। उत्तरप्रदेश में हुए सभी संदिग्ध एनकाउण्टर्स की निष्पक्ष जांच कर इंसाफ किया जाना चाहिए। वर्दी पर लगी खून की छींटें साफ होनी चाहिए।

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि फर्जी एनकाउंटरों की वजह से उत्तर प्रदेश की देश–दुनिया में बदनामी हो रही है। पुलिस हिरासत में मौतों के मामलों में भी उत्तर प्रदेश सबसे आगे हैं और उत्तर प्रदेश का नाम बदनाम हो रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी भाजपा सरकार में सुखी नहीं है। व्यापारी और दुकानदार लूटे जा रहे हैं। दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं। अखिलेश यादव शनिवार को प्रदेश सपा मुख्यालय पर झांसी और ललितपुर के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार निर्दोषों को झूठे केसों में फंसाती है। लोकसभा चुनावों में पराजय के बाद भी भाजपा कुप्रचार करने से बाज नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि पीडीए के माध्यम से सामाजिक न्याय की लड़ाई को भी अंतिम परिणाम तक पहुंचाने का लक्ष्य है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान दोनों के लिए खतरा है। वह नफरत फैलाकर सामाजिक सद्भाव को तहस–नहस करने का इरादा रखती है।

छत पर सो रहे व्यक्ति की गला रेतकर हत्या

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के चौरी टोला पिपरिया में देर रात 12 बजे छत पर सो रहे अवधेश पटेल (48) की गला रेतकर हत्या कर दी गई। अवधेश की बहू रंजना पटेल ने बाल खुर्द गांव निवासी धर्मेन्द्र शर्मा उर्फ गोलू शर्मा पर ससुर की हत्या का आरोप लगाया है। अवधेश पटेल प्रतिदिन की तरह अपने लड़की, बहू व बेटे के साथ भोजन करके छत पर सोने चले गए। बताया गया कि लगभग 12 बजे छत पर अज्ञात बदमाश चढ़ गया। घर में घुसने का प्रयास करने लगा। उनके विरोध पर धारदार हथियार से हमला करके गला रेत दिया और फरार हो गया। गंभीर अवस्था में घायल अवधेश किसी तरह भागकर नीचे पहुंचे और अपने बहू और बेटी को जगाया। खून देखते ही बहू और बेटी ने शोर मचाया तो आसपास के लोग इकट्ठा हो गए।

आनन–फानन में स्थानीय लोगों ने अवधेश को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दिया। मौके पर एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, सीओ अनुराग सिंह, थानेदार संजय कुमार मिश्रा, चौकी इंचार्ज नागेंद्र मणि ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच किया। पुलिस मामले में हर बिन्दुओ पर जांच कर रही है। हत्या की घटना के पीछे यही बात आई है कि घर में घुसने का विरोध पर हत्या हुई। लेकिन नामजद व्यक्ति के घर में घुसने के पीछे क्या इरादा था? इसकी जांच हो रही है।

सीएम योगी का निर्देश, जनता की समस्याओं का कराएं त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे जनता की समस्याओं का पारदर्शी और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित कराएं। जनता की हर समस्या को संवेदनशीलता से लिया जाना चाहिए और उसके समाधान के लिए त्वरित प्रभावी कार्यवाही की जानी चाहिए। यह ध्यान रहे कि किसी के भी साथ अन्याय न होने पाए। जन समस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिली तो संबंधित जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है। सीएम योगी ने ये निर्देश रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में मुख्यमंत्री ने करीब 400 लोगों से मुलाकात की। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे और समस्या सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। ध्यान से उनकी बात सुनने के बाद पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने समस्या लोगों से कहा कि चिंता मत करिए, सबकी समस्या दूर करने के लिए सरकार संकल्पित है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अलग–अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को दो निर्देशित किया कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरपूर मदद देने का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान रविवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन करने, अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद सीएम योगी गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में उन्होंने गोवंश को खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

रात के अंधेरे में दुष्कर्म पीड़िता से मिलने पहुंचे सांसद, परिवार ने मिलने से किया इंकार

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या जिले के खंडासा थाना क्षेत्र के एक गांव में दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिजनों से मिलने सपा सांसद अवधेश प्रसाद घटना में केस दर्ज होने के तीसरे दिन शनिवार की रात में पहुंचे। पीड़ित परिवार ने सपा सांसद से मिलने से इंकार कर दिया। हालांकि सपा सांसद ने मौजूद ग्रामीणों को किशोरी व परिवार की सुरक्षा, मुवावजा और दोषियों पर कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। जब ग्रामीणों को जानकारी हुई कि पीड़ित परिवार से मिलने सपा सांसद पहुंचे हैं तो बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। वे सासंद से कहने लगे कि घटना के तीसरे दिन आप आ रहे हैं वह भी रात के अंधेरे में, पीछे से कुछ लोग यह भी कह रहे थे कि आप तो अयोध्या के राजा हैं, तब क्यों इतनी रात को मिलने आए हैं।

पीड़ित परिवार ने मुलाकात करने से जब मना कर दिया तो मौके पर एकत्रित ग्रामीणों से सांसद ने कहा कि हम पीड़ित के साथ खड़े हैं। सुरक्षा और मुआवजा दिलाएंगे। ग्रामीणों की ओर से कहा गया कि पीड़ित परिवार को आरोपियों के परिवार की ओर से मारने की धमकी दी जा रही है। इस पर सांसद ने कहा कि हम आ गए हैं, अब आप लोगों को कोई धमकी नहीं दे सकेगा।

जिसने यह कांड किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। फांसी की सजा दिलाई जाएगी। गांव में बिजली न होने से अंधेरा था, लोग मोबाइल की लाइट और टार्च जलाकर सांसद की बात को सुन रहे थे ।

विराट कुश्ती दंगल में पहलवानों ने दिखाया दम

–राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय और स्थानीय पहलवानों ने दिखायें कुश्ती के दांव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विक्रमजोत ब्लॉक के गौरिया नैन में स्व. बाबा राममणि पाण्डेय की स्मृति में रविवार को विराट कुश्ती दंगल प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। विधायक अजय सिंह, पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, गोसाईगंज अयोध्या के पूर्व विधायक इंद्र प्रताप खब्बू तिवारी और जिला पंचायत अध्यक्ष सिद्धार्थनगर राहुल सिंह ने दंगल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात पहलवानों से परिचय प्राप्त करते हुए अतिथियों ने कहा कि कुश्ती हमारी प्राचीन धरोहर और हमारे संस्कृति की पहचान है, जिसको बचाकर रखना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी बनती है। इस तरह के खेल आयोजनों से समाज में भाईचारा बढ़ता है व परस्पर सहयोग की भावना का संचार होता है। कहा कि विलुप्त हो रही इस कला को जीवित रखने की जरूरत है इससे प्रतिभाओं को बड़े स्तर पर अपनी कला प्रदर्शन का मौका मिलता है। दंगल के आयोजक यज्ञेश पाण्डेय, शैलेश पाण्डेय के साथ दंगल कमेटी ने अतिथियों का माल्यार्पण करके स्वागत किया। गोरखपुर के शिवानंद और झांसी के श्यामजीत की कुश्ती बराबर पर रही। नंदिनी नगर के अखिल ने बहराइच के गोविंद को हराया। इसी तरह दंगल में हनुमान गढ़ी अयोध्या, नंदिनी नगर नवाबगंज गोंडा, गोरखपुर, बनारस, आजमगढ़, झांसी, मेरठ, दिल्ली, हरियाणा सहित देश के विभिन्न जगहों से आए राष्ट्रीय और राज्य स्तर के साथ ही सैकड़ो की संख्या में स्थानीय स्तर के महिला और पुरुष पहलवानों ने एक दूसरे को पटकनी देकर उपस्थित हजारों की संख्या में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दंगल के आयोजक यज्ञेश पाण्डेय, शैलेश पाण्डेय ने विजयी पहलवानों को पुरस्कार एव सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, अरविन्द पाण्डेय, कृष्ण चंद्र सिंह, केके सिंह प्रमुख, भानू प्रताप सिंह, देवेन्द्र सिंह, सोनू पाण्डेय, जगदीश प्रसाद शुक्ल, नरेंद्र त्रिपाठी चंचल, श्रीश पाण्डेय, श्रवण तिवारी, विवेक कान्त पाण्डेय, रवीश कुमार मिश्र, आदित्य पाण्डेय, जयेश पाण्डेय, चंद्रमणि पाण्डेय सुदामा, पंकज मिश्र, अजय तिवारी, दरोगा पाठक, शशांक त्रिपाठी, राम विशाल पाठक, रघुनाथ सिंह, महेंद्र सिंह, राम गोस्वामी, अनादि मिश्र, शिव कुमार गुप्ता सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बुद्ध प्रतिमा की स्थापना को लेकर विवाद, गांव पहुंची फोर्स

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र के उमिला गांव में गाटा संख्या 435 की जमीन पर रविवार को गौतम बुद्ध की मूर्ति स्थापित करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस दौरान बगल की भूमि के लोगों ने अपनी जमीन में मूर्ति स्थापना का आरोप लगाकर विरोध किया। इसे लेकर हंगामा शुरू हो गया। सूचना पर स्थानीय पुलिस पहुंच गई। विवाद ज्यादा बढ़ते देख कई थानों की पुलिस के साथ एसडीएम व सीओ पहुंच गए। काफी देर वार्ता के बाद भूमि की पैमाइश कराने के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। उमिला गांव के बाहर गाटा संख्या 435 के बंजर जमीन पर साधन सहकारी समिति, अम्बेडकर मूर्ति एवं संत रविदास मंदिर बना हुआ है। इसी भूमि पर रविवार को उमिला गांव के हरिजन बस्ती के लोगों ने गौतम बुद्ध की मूर्ति स्थापना के साथ–साथ भण्डारा का आयोजन किया गया था। इसमें सदर विधायक अंकुरराज तिवारी आमंत्रित थे। तभी बगल भूमि के बलिराम पाठक परिजन उनकी भूमि पर मूर्ति स्थापित करने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे की जानकारी पर कार्यक्रम में विधायक नहीं पहुचे। तभी किसी ने हंगामा होने की सूचना कांटे पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कांटे चौकी की घ्फोर्स मौके पर पहुंच गई। मौहाल को बिगड़ता देख सूचना पर थोड़े ही समय में कई थानों की फोर्स के साथ एसडीएम व सीओ मौके पर पहुंच गए। साथ में राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंचे एसडीएम, सीओ व कोतवाल ने लोगों को काफी समझा–बुझाकर शांत कराया। काफी देर बाद एसडीएम ने बताया कि इस बंजर गाटे से सटे बलिराम पाठक गाटे की पैमाइश सोमवार को की जाएगी जिससे बंजर व बलिराम पाठक के गाटे की सीमा स्पष्ट हो सके। इसके बाद विवाद शांत हुआ।

कड़ाके की धूप ने किया बेहाल

संवाददाता–संतकबीरनगर। पिछले एक पखवारे से जिले में बारिश नहीं के बराबर हुई है। रविवार को सुबह से ही चटख धूप निकली। इसकी वजह से लोगों के सिर से पांव तक पसीना टपकता रहा। पिछले तीन दिनों से अधिकतर मौसम साफ रहा। आसमान में बादलों की आवाजाही नहीं के बराबर दिखी। मौसम के मिजाज से बारिश के आसार भी नहीं दिख रहा है। गर्मी के कारण जन जीवन पूरी तरह से बेहाल हो गया है। उमस भरी गर्मी कम होने का नाम नहीं ले रही है। तापमान फिर 35 डिग्री सेल्सियस की ओर बढ़ रहा है। पिपरा के किसान राम निहाल का कहना है कि इस प्रकार की गर्मी क्वार के महीने में पड़ती है। जब बारिश पूरी तरह से निकल जाती है। अगस्त के महीने में आशा के अनुरूप बारिश नहीं हुई और सितम्बर का महीना अब तक ठनाठन है। लोग गर्मी से बचने के लिए लगातार पंखा, कूलर और एसी का प्रयोग कर रहे हैं। अधिकतम के साथ साथ न्यूनतम तापमान में भी इजाफा हुआ है। मौसम का यही हाल रहा तो जल्द ही किसानों को धान के फसल की सिंचाई करनी पड़ेगी।

घर से चार लाख के जेवर और नकदी उड़ा ले गए चोर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र के चिल्हिया–शोहरतगढ़ मार्ग पर बरगदवा गांव के एक घर पर शनिवार रात चोरों ने धावा बोल कर चार लाख के जेवरात व बारह हजार नकदी पर हाथ साफ कर चलते बने। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया और चोरों का पता लगा रही है। चोरी की घटना को लेकर गांव में दहशत है। बरगदवा गांव निवासी बाबू लाल पुत्र कुबेर गुप्ता शनिवार रात में बिजली न होने से परिवार संग घर के बाहर बरामदे में सोए हुए थे। रविवार सुबह परिवार के लोग जागे तो देखा कि घर के अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। चोर कमरे के रोशनदान की जाली काट कर अंदर प्रवेश कर बाक्स में रखा चार लाख का जेवर व बारह हजार रुपये नकदी लेकर चले गए थे। चोरी की घटना देख कर महिलाएं रोने लगीं। ग्रामीणों की भी भीड़ इकट्ठा हो गई थी। लोग पुलिस की गश्ती पर सवाल उठा रहे थे। इस बीच पुलिस को सूचना हुई तो वह भी मौके पर पहुंच गई। उसने मौका मुआयना किया। पीडिघ्त की तहरीर पर चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर सुराग लगाने में जुट गई। थानाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद का कहना है कि चोरी की जानकारी मिलने के बाद मौके पर गया था। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही चोरी की घटना का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

सरयू नदी में स्नान करने गया युवक डूबा

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनघटा थाना क्षेत्र के सरयू नदी के चांड़ीपुर घाट पर गोरखपुर जिले के बेलघाट थाना अंतर्गत पांडेय पुरा निवासी एक युवक सरयू नदी में अपने मित्रों के साथ स्नान करने रविवार को आया था। पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया। इससे डूब कर लापता हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस व एसडीएम ने गोताखोरों के सहयोग से लापता युवक की तलाश शुरू कर दी है। धनघटा थाना क्षेत्र के चांड़ीपुर घाट पर बेलघाट थाना क्षेत्र के पांडेय का पूरा निवासी विजय कुमार (20) पुत्र त्रिवेणी अपने तीन मित्रों के साथ सरयू नदी पर स्नान करने आया था। स्नान के दौरान वह गहरे भंवर में चला गया। जिससे डूब कर लापता हो गया। साथ में मौजूद लोगों ने शोर मचाना शुरू किया तो मौके पर काफी लोग इकट्ठा हो गए। घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीएम ने गोताखोरों के सहयोग से लापता युवक की तलाश शुरू कर दी। जब कहीं उसका पता नहीं चला तो एनडीआरएफ की टीम को सूचना दी गई। खबर लिखे जाने तक एनडीआरएफ की टीम आने का लोग इंतजार कर रहे थे। थाना अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि लापता युवक की तलाश की जा रही है जल्द ही उसे बरामद कर लिया जाएगा।

अनियंत्रित कार ट्री गार्ड से टकराई कार सवार घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के बैजनाथपुर गांव के पास रविवार को एक चारपहिया वाहन बर्डपुर की तरफ से सिद्धार्थनगर जा रही थी। बाइक सवार को बचाने में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे ट्री गार्ड से टकरा गई इससे वहां बैठे दो लोगों को मामूली चोटें आई जबकि कार सवार एक को चोट आई।

दुर्घटना के बाद पहुंची एंबुलेंस से घायलों को सीएचसी बर्डपुर ले जाया गया। कार सवार गंभीर रूप से घायल मेराज मलिक (25) निवासी सिसहनिया थाना सिद्धार्थनगर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बैजनाथपुर थाना मोहाना निवासी संतोष कुमार जायसवाल व घमालू को सीएचसी से मामूली चोट की वजह से प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। चौकी प्रभारी महेंद्र कुमार का कहना है कि दुर्घटना होने की जानकारी है।

साक्षरता में पुरुषों से काफी पीछे हैं जिले की महिलाएं

संवाददाता–संतकबीरनगर। जनपद में साक्षरता का प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिले में तमाम अभियान चलाए गए हैं। स्कूलों में छात्रों का नामांकन प्रतिशत भी बढ़ा है। आउट ऑफ स्कूल बच्चों की संख्या जनपद में लगभग न के बराबर है। इक्के–दुक्के बच्चे ही स्कूल नहीं जा रहे हैं। उनमें से अधिकांश साक्षर हो चुके हैं, लेकिन आगे की शिक्षा ग्रहण नहीं कर रहे हैं। बेसिक शिक्षा विभाग उन्हें भी जोड़ने में जुटा है। तमाम प्रयासों के बाद भी जनपद में साक्षरता के मामले में अभी महिलाएं पुरुषों से पीछे हैं। हालांकि अब उच्च शिक्षा की ओर बेटियां तेजी से बढ़ने लगी हैं। जिले में किए गए प्रयासों से जिले में आउट ऑफ स्कूल बच्चों की संख्या में लगातार कमी आई है। 2011 के बाद जनगणना नहीं हुई, इस कारण जिले की साक्षरता दर का सही आंकलन नहीं हो सका है। विभाग के जिम्मेदारों की मानें तो मौजूदा समय में जिले की साक्षरता दर 80 प्रतिशत से ऊपर है। पुरुष व महिला दोनों की साक्षरता में वृद्धि हुई है, लेकिन अभी भी आधी आबादी पुरुषों की तुलना में पीछे ही है। वर्ष 2011 की जनगणना में जनपद की साक्षरता दर 66.68 प्रतिशत रही। इसमें पुरुष 76.37 और 54.74 प्रतिशत महिलाएं साक्षर थीं। लेकिन पिछले 13 वर्षों में इसमें काफी परिवर्तन हुआ है। नियमानुसार दस वर्ष पर जनगणना होती है। लेकिन 2021 में जनगणना का कार्य शुरू होने के साथ ही ठप हो गया था। तब से ठप ही पड़ा है। इस कारण साक्षरता का नया सर्वे नहीं हो पाया है। शिक्षा विभाग के अनुमान के अनुसार साक्षरता स्तर में काफी तेजी से वृद्धि हुई है। पर अभी भी महिलाएं पुरुषों के पीछे हैं। हालांकि अंतर बहुत अधिक नहीं है। शिक्षा विभाग लगातार योजनाओं के जरिए शत प्रतिशत छात्रों के नामांकन पर जोर दे रहा है। गांव–गांव सर्वे कराते हुए आउट ऑफ स्कूल बच्चों का दाखिला कराकर उन्हें साक्षर बनाया जा रहा है।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com